NNI
हर खबर पर पक्की नजर
पत्रकारिता हमारा धर्म
निष्पक्षता हमारी पहचान
दैनिक हिन्दी समाचार पत्र
# न्यूज नेक्स्ट इण्डिया
सत्यता व निष्पक्षता का छठवां वर्ष
www.nnindianews.com
वर्ष :06, अंक :-05, पृष्ठ : 12 | शनिवार, 11 जुलाई, 2026 | मूल्य- 03.00 रुपये मात्र

## आईएनएस महेंद्रगिरि नौसेना में शामिल

75% से ज्यादा हिस्सा भारत में बना
स्वदेशी मिसाइल-सेंसर से लैस

**विशाखापट्टनम।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम नेवल डॉकयार्ड में आईएनएस महेंद्रगिरि को भारतीय नौसेना में शामिल (कमीशन) किया। महेंद्रगिरि प्रोजेक्ट-17ए की नीलगिरि कैटेगरी का छठा स्टेल्थ फ्रिगेट (युद्धपोत) है। इसे बनाने में 75% से ज्यादा स्वदेशी उपकरण और तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। आईएनएस महेंद्रगिरि स्वदेशी अत्याधुनिक हथियारों, सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम से लैस है। यह हवाई हमलों, दुश्मन के जहाजों और पनडुब्बियों से एक साथ मुकाबला करने में सक्षम है। यह हिंद महासागर में भारत की समुद्री सुरक्षा को और मजबूत करेगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि आंध्र प्रदेश के कुरनूल में आठ ड्रोन कंपनियों के समूह के साथ 'ड्रोन सिटी' विकसित की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिस तरह सूरत 'डायमंड सिटी' और बेंगलुरु 'सिलिकॉन वैली' के नाम से जाना जाता है, उसी तरह आने वाले समय में कुरनूल देश का ड्रोन हब बनेगा।

### खासियत

**75% से ज्यादा स्वदेशी तकनीकः** इसे भारतीय नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने डिजाइन किया है और मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने तैयार किया है। युद्धपोत में 75% से ज्यादा स्वदेशी उपकरण और तकनीक का इस्तेमाल किया गया है।

**मॉडर्न हथियारों से लैसः** महेंद्रगिरि में आधुनिक सरफेस-टू-सरफेस और सरफेस-टू-एयर मिसाइल सिस्टम, एडवांस इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम, एंटी-सबमरीन वॉरफेयर सिस्टम और इंटीग्रेटेड कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम लगाए गए हैं।

**स्टेल्थ तकनीक और हाई-स्पीड क्षमताः** महेंद्रगिरि में उन्नत स्टेल्थ तकनीक दी गई है, जिससे इसकी रडार पर पहचान करना मुश्किल होगा। इसमें कम्बाइंड डीजल और गैस प्रोपल्शन सिस्टम लगाया गया है, जो इसे लंबी दूरी तक तेज गति से संचालन की क्षमता देता है।

# भारत-न्यूजीलैंड संबंधों को मिली नई ऊंचाई

**ऑकलैंड।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के न्यूजीलैंड दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा, समुद्री सुरक्षा, व्यापार, आतंकवाद-रोधी सहयोग, कृषि, पर्यटन, खेल, संस्कृति, शिक्षा और विज्ञान सहित कई क्षेत्रों में कुल 18 अहम समझौते और फैसले हुए। इन समझौतों के साथ भारत और न्यूजीलैंड ने अपने संबंधों को नई ऊंचाई देते हुए 'स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' का दर्जा भी दे दिया। बता दें कि पीएम मोदी का न्यूजीलैंड में भव्य स्वागत हुआ और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ उनकी गर्मजोशी भरे माहौल में बातचीत हुई।

दोनों देशों ने मुक्त व्यापार समझौते यानी कि एफटीए के तहत वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 7 अरब न्यूजीलैंड डॉलर (करीब 35 हजार करोड़ रुपये) तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इसके जरिए आर्थिक सहयोग बढ़ाने और दोनों देशों के बाजारों तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने की योजना है। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, 'भारत-न्यूजीलैंड साझेदारी के लिए यह साल बेहद शानदार रहा है। इसी वर्ष दोनों देशों ने रिकॉर्ड समय में मुक्त व्यापार समझौता पूरा किया और अब हमने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक पहुंचा दिया है। हमारा अगला लक्ष्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करना है।'

भारत के रक्षा मंत्रालय और न्यूजीलैंड डिफेंस फोर्स के बीच समुद्री सहयोग समझौता हुआ है। इसके तहत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संवाद, समन्वय, सूचना साझा करने और संयुक्त गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा। दोनों देशों ने हाइड्रोग्राफी और समुद्री नक्शों से जुड़े सहयोग पर भी समझौता किया। इसके तहत संयुक्त रूप से नौवहन चार्ट तैयार किए जाएंगे, समुद्री आंकड़े साझा होंगे और प्रशिक्षण व क्षमता निर्माण पर काम होगा।

## उन्नाव में बस ने डंपर को मारी टक्कर, तीन की मौत

**उन्नाव।** जिले में कानपुर-लखनऊ हाईवे पर दही थाना क्षेत्र स्थित रोडवेज वर्कशॉप के पास शनिवार को दर्दनाक सड़क हादसे में रोडवेज बस ने तीन लोगों को कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में बस का परिचालक भी घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार, रोडवेज बस ने पहले हाईवे पर आगे चल रहे एक डंपर में टक्कर मार दी थी। इसके बाद कुछ यात्री नीचे उतरकर बस के क्षतिग्रस्त हिस्से को देखने लगे। तभी बस चालक ने वाहन को पीछे किया। लापरवाही में चार लोगों को कुचल दिया। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि बस का परिचालक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों की पहचान राजेंद्र (50) पुत्र स्वामी प्रसाद, निवासी मदनपुर, थाना कप्तानगंज, जिला बस्ती तथा रामनरेश (40) पुत्र रामदास, निवासी तुलसी तारा, थाना पूरा कलंदर, जनपद अयोध्या के रूप में हुई है।

## नरोत्तम मिश्रा का टिकट कटने के बाद दतिया में बवाल

रात भर हाईवे रहा जाम, सुबह भीड़ पर आंसू गैस छोड़ी गई; पुलिस ने खदेड़ा

**दतिया।** विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी बदले जाने के फैसले के बाद जिले की सियासत गरमा गई है। पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा का टिकट कटने से नाराज भाजपा कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार शाम दतिया-झांसी हाईवे पर चक्का जाम कर दिया। प्रदर्शन पूरी रात जारी रहा। शनिवार तड़के पुलिस ने जाम हटाने की कार्रवाई की, जिसके दौरान आंसू गैस के गोले छोड़े गए। वहीं, पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प तथा पथराव भी हुआ। टिकट घोषित होने के बाद से ही सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता दतिया-झांसी हाईवे पर जुट गए थे। वे रातभर 'नरोत्तम मिश्रा जिंदाबाद' और 'टिकट वापस लो' के नारे लगाते रहे। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि जब तक पार्टी अपना फैसला वापस नहीं लेगी, वे सड़क से नहीं हटेंगे। शनिवार सुबह भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और जाम समाप्त कराने का प्रयास किया। प्रशासन के अनुसार प्रदर्शनकारियों ने हटने से इनकार कर दिया। इसके बाद पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े।

NNI हर खबर पर पक्की नज़र न्यूज नेक्स्ट इंडिया



# ईरान पर 1000 मिसाइलें तान रखीं

## ट्रम्प बोले- मुझे मारने की कोशिश की तो तबाह कर देंगे, जवाबी कार्रवाई के आदेश दे चुका

**वाशिंगटन।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान ने उनकी हत्या की कोशिश की तो अमेरिका ऐसा हमला करेगा, जैसा पहले कभी नहीं देखा होगा। ट्रुथ सोशल पर ट्रम्प ने लिखा कि ईरान की ओर 1000 मिसाइलें तैयार हैं और जरूरत पड़ने पर हजारों और मिसाइलें दागी जाएंगी।

ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान ने उन पर हमला किया तो ईरान को पूरी तरह तबाह कर दिया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि जवाबी कार्रवाई के आदेश पहले ही दिए जा चुके हैं और अमेरिकी सेना पूरी तरह तैयार है।

उधर, इजराइली रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने इजराइल से अपने 12 एफ-22 स्टेल्थ फाइटर जेट वापस बुलाने शुरू कर दिए हैं। ये विमान फरवरी से इजराइल के ओवदा एयरबेस पर तैनात थे। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इन्हें ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान के लिए भेजा गया था और इन्होंने हालिया हमलों में भी हिस्सा लिया था।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अमेरिका और ईरान से पिछले महीने हुए समझौते का पालन करने की अपील की है। उन्होंने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान से फोन पर बात कर कहा कि क्षेत्र में बढ़ते तनाव को कम करना और शांति बनाए रखना जरूरी है। शहबाज ने बातचीत में अमेरिका और ईरान से समझौते के तहत किए गए वादों को निभाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में दोनों देशों को तनाव बढ़ाने के बजाय बातचीत का रास्ता अपनाना चाहिए।

**ईरान बोला- दुश्मन की हर गतिविधि पर नजर**

ईरान ने कहा है कि उसकी सेना दुश्मन की हर गतिविधि पर नजर रखे हुए है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघेई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि देश के तटों, द्वीपों, सीमाओं और अन्य संवेदनशील इलाकों में तैनात सशस्त्र बल पूरी तरह सतर्क हैं। बघेई ने कहा, हमारे बहादुर जवान दुश्मन की हर गतिविधि पर लगातार नजर रख रहे हैं और देश की सुरक्षा में जुटे हैं।

## रेप के आरोपी ने जमानत मिलते ही की 6 हत्याएं

### पहले पत्नी-बच्चों, फिर पीड़ित और उसके परिवार को मार डाला, तेलंगाना की घटना

**हैदराबाद।** तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में नाबालिग से रेप के एक आरोपी ने शुक्रवार रात जमानत पर बाहर आते ही 6 हत्याएं कर दीं। पहले उसने अपनी 30 साल की पत्नी, 4 साल और 18 महीने के दो बेटों की हत्या की।

इसके बाद वह करीब 6 किलोमीटर दूर दूसरे गांव पहुंचा। जहां उसने 17 साल की रेप पीड़ित, उसकी मां और नानी को भी मार दिया। लड़की ने 16 मई को पॉक्सो एक्ट के तहत आरोपी राजकुमार के खिलाफ रेप का केस दर्ज कराया था।

लड़की के चाचा नरेश ने बताया, उसने मेरी चाची और भतीजी की हत्या कर दी। उसने पहले भी लड़की को परेशान किया था और उस पर मामला दर्ज किया गया था। उसने कहा था कि वह एक-दो हफ्ते में पूरे परिवार को मार डालेगा। मामला दर्ज होने के बाद भी उसे पूछताछ या रिमांड के लिए नहीं ले जाया गया। उसके परिवार को पता था कि वह कहां है, लेकिन पुलिस को इसकी जानकारी नहीं थी और मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। घटना के 20 दिन बाद हमने उन्हें फिर से बताया कि वह घूम रहा है और कह रहा है कि वह लड़की को मार डालेगा। उन्होंने कहा कि वे उसे ढूंढ रहे हैं। मामला दर्ज होने के सिर्फ दो दिन बाद ही वह जमानत पर बाहर आ गया था। उसने रिश्वत दी थी और मामला दबा दिया गया। अब उसने लड़की की हत्या कर दी है और यह सब पुलिस की लापरवाही की वजह से हुआ है।

## अमरनाथ यात्रा की तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे एलजी सिन्हा, बालटाल अस्पताल में श्रद्धालुओं से की मुलाकात

**बालटाल।** जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को बालटाल स्थित बेस अस्पताल का दौरा कर अमरनाथ यात्रा की तैयारियों और श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में भर्ती श्रद्धालुओं से मुलाकात कर उनका हाल जाना और स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली।

उपराज्यपाल ने यात्रा मार्ग पर सुरक्षा, चिकित्सा सुविधाओं और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। अधिकारियों ने उन्हें श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए किए गए इंतजामों और यात्रा की तैयारियों से अवगत कराया।

अमरनाथ यात्रा को सुरक्षित और सुचारू बनाने के लिए पूरे मार्ग पर बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर श्रद्धालुओं की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए रोड ओपनिंग पार्टियां (आरओपी) तैनात की हैं। श्रद्धालुओं को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सीआरपीएफ की 84वीं बटालियन ने रामबन जिले के चंद्रकोट में 24 घंटे चलने वाला मोबाइल स्वास्थ्य शिविर भी स्थापित किया है।

## बदरीनाथ चढ़ावा हेराफेरी निलंबित कर्मचारी की याचिका पर हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

**उत्तरकाशी।** उत्तराखंड हाईकोर्ट ने विश्व प्रसिद्ध श्री बदरीनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाई जाने वाली थाली भेंट की गणना के दौरान वित्तीय अनियमितता के आरोप में निलंबित कर्मचारी प्रमोद नौटियाल की ओर से अपने निलंबन आदेश व पुलिस की ओर से दर्ज एफआईआर को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के बाद 16 जुलाई की तिथि नियत करते हुए सरकार को स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए हैं।

न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की एकलपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। मामले के अनुसार मंदिर समिति को 2 जुलाई 2026 को सूचना मिली थी कि श्री बदरीनाथ मंदिर में "थाली भेंट" की गिनती के दौरान वित्तीय गड़बड़ी की गई है। इस पर संज्ञान लेते हुए मंदिर समिति के अध्यक्ष के आदेशानुसार एक विभागीय जांच समिति का गठन किया गया था। विभागीय जांच समिति की प्रारंभिक जांच आख्या में यह बात सामने आई कि मंदिर समिति के कार्मिक प्रमोद नौटियाल ने कथित तौर पर सुबह लगभग नौ बजे से साढ़े नौ बजे के बीच थाली भेंट गणना स्थल से अवैध रूप से धनराशि उठाई थी।

## राम मंदिर: चढ़ावे में 200-500 के नोट हुए कम, 10 और 20 के रुपयों की भरमार

**अयोध्या।** राम मंदिर में मिलने वाले नकद चढ़ावे में भी कमी देखने को मिल रही है। बताया जा रहा है कि पहले गणना के दौरान 100, 200 और 500 रुपये के नोटों की गड्डियां अधिक बनती थीं, जबकि अब 10, 20 और 50 रुपये के नोटों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक है। सूत्र इसे हाल के घटनाक्रम के बाद श्रद्धालुओं के दान देने के तरीके में आए बदलाव से जोड़कर देख रहे हैं। हालांकि, मंदिर ट्रस्ट की ओर से श्रद्धालुओं की संख्या में कमी या चढ़ावे में गिरावट को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। ऐसे में चढ़ावे में कमी और उसके कारणों की स्वतंत्र आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

**श्रद्धालुओं की संख्या घटी, कारोबार और चढ़ावे पर असर**

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में इन दिनों श्रद्धालुओं की संख्या में कमी दर्ज की जा रही है। जून महीने तक प्रतिदिन करीब एक लाख श्रद्धालु रामलला के दर्शन के लिए पहुंच रहे थे, जबकि वर्तमान में यह संख्या घटकर लगभग

60 हजार प्रतिदिन रह गई है। दर्शनार्थियों की संख्या कम होने का असर मंदिर के आसपास के व्यापार पर भी दिखाई देने लगा है। रामपथ और मंदिर क्षेत्र के आसपास प्रसाद, पूजा सामग्री, होटल, रेस्टोरेंट और अन्य कारोबार से जुड़े कई व्यापारियों का कहना है कि श्रद्धालुओं की संख्या घटने से बिक्री प्रभावित हुई है। कुछ कारोबारियों का मानना है कि हाल में सामने आए चढ़ावा गड़बड़ी के मामले का असर श्रद्धालुओं की भावना पर पड़ा है, जिससे दर्शनार्थियों की संख्या में कमी आई है। व्यापारी राजकुमार ने कहा कि निश्चित रूप से चढ़ावा चोरी की घटना का असर पड़ा है। अचानक श्रद्धालुओं की संख्या घट गई है। रोजाना दो से ढ़ाई हजार की आमदनी होती थी, जो घटकर 500 से 700 रुपये हो गई।

संजय पांडेय भी बोले कि श्रद्धालु घट गए हैं, इसका असर कारोबार पर पड़ा है। कहीं न कहीं चढ़ावा चोरी मामला भी इसके मूल में है। हालांकि कारोबारी महेंद्र सिंह इससे सहमत नहीं हैं। उनका कहना है कि जुलाई में हर वर्ष स्कूल-कॉलेज खुलने, बरसात और छुट्टियां समाप्त होने के कारण स्वाभाविक रूप से श्रद्धालुओं की संख्या कम हो जाती है। उनके मुताबिक इसे केवल चढ़ावा प्रकरण से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए।

स्वामी वीरेन अग्रवाल प्रकाशक विवेक खंडेलवाल मुद्रक इम्प्रेशन प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग लिमिटेड, सिकंदरा रोड, गुरु का ताल, आगरा से मुद्रित एवं बृज वैलबिल्ट प्राइवेट लिमिटेड, फ्लैट 302 तीसरी मंजिल ब्लॉक E /11/8 संजय प्लेस आगरा से प्रकाशित। RNI Registration No., UPHIN/2021/88376। प्रधान संपादक अरविन्द सिंह। चेयरमैन-स्वतंत्र कुमार। प्रबंध निदेशक ब्रजेश सिकरवार। E MAIL newsnextindianni@gmail.com, Website:-www.nnindianews.com
(प्रधान संपादक इस अंक में समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी है )

NNI
हर खबर पर पक्की नजर
पत्रकारिता हमारा धर्म
निष्पक्षता हमारी पहचान
दैनिक हिन्दी समाचार पत्र
न्यूज नेक्स्ट इण्डिया
अपना ब्रज
www.nnindianews.com
शनिवार, 11 जुलाई, 2026


# ऐसा नरपिशाच समाज के लिए खतरा

## कोर्ट ने सुनाई सजा-ए-मौत, मासूम आरव का कातिल जड़ने लगा खुद के चेहरे पर थप्पड़

एनएनआई

**फिरोजाबाद।** जिला जज डॉ. बब्बू सारंग की अदालत ने आरव हत्याकांड को रिश्तों को कलंकित करने वाली दुर्लभ से दुर्लभतम वारदात मानी। फैसले में लिखा कि इस बर्बरता ने समाज के पारिवारिक ताने-बाने को हिलाकर रख दिया है। अगर ऐसे नरपिशाच के प्रति नरम रुख अपनाया गया, तो समाज का करीबियों और रिश्तेदारों पर से भरोसा ही उठ जाएगा। साथ ही कोर्ट ने माना कि यदि दोषी को फांसी से कम सजा दी गई, तो जेल से बाहर आने के बाद मृतका की मां रति और उसके परिवार की जान को हमेशा के लिए खतरा बना रहेगा।

अदालत ने अपने आदेश में विशेष रूप से रेखांकित किया कि दोषी जितेंद्र पाठक रिश्ते में पीड़ित बच्चे का चाचा लगता था, जिसका पहला कर्तव्य अपने भतीजे की रक्षा करना था। लेकिन उसने रति को हासिल करने की हवस में उस डेढ़ साल के निर्दोष बच्चे को शादी का रोड़ा समझ लिया, जो खुद ठीक से चल भी नहीं सकता था और अपनी मां की गोद में खिलखिला रहा था।

अदालत ने सीसीटीवी फुटेज के सूक्ष्म विश्लेषण के आधार पर अपने आदेश में लिखा कि जितेंद्र की क्रूरता सामान्य इंसानी व्यवहार से परे थी। उसने मासूम आरव को लगातार 6 बार जमीन पर पटका। इसके बाद भी जब उसका दिल नहीं पसीजा, तो उसने बच्चे को उठाकर यह जांचा कि वह मर गया या जिंदा है। जब उसे लगा कि मासूम की सांसें अभी बाकी हैं, तो उसने दो बार और पूरी ताकत से उसे कंक्रीट पर दे मारा, जिससे बच्चे ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। यह कोई आवेश में आकर किया गया अपराध नहीं था, बल्कि सोच-समझकर, योजना बनाकर किया गया जघन्य, निर्मम और क्रूर हत्याकांड था। पुलिस जांच अधिकारी अनुज कुमार ने इलेक्ट्रॉनिक और तकनीकी साक्ष्यों का ऐसा अकाट्य जाल बुना कि बचाव पक्ष के पास कोई रास्ता नहीं बचा। घटना स्थल के सामने रहने वाली शकुंतला देवी और राजेश कुमार के घरों में लगे सीसीटीवी कैमरों में यह पूरी वारदात कैद हुई थी। इन इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के प्रामाणिक सर्टिफिकेट कोर्ट में साबित किए। इसके अलावा चश्मदीद गवाह दीपांश और शकुंतला देवी ने कोर्ट में गवाही दी कि उन्होंने आरोपी को बच्चे को पटकते और फिर कंधे पर उठाकर ले जाते देखा था।

ट्रायल के दौरान बचाव पक्ष के वकील ने दलील दी कि जितेंद्र मानसिक रूप से बीमार है और 2018 में छत से गिरने के कारण उसका मानसिक संतुलन ठीक नहीं रहता। वह घटना के समय नशे में था। हालांकि, कोर्ट में जब बदायूं से आए उसके सगे भाई मुनीष पाठक से जिरह हुई, तो वह कोई भी मानसिक बीमारी या पागलपन का सर्टिफिकेट पेश नहीं कर सका। वहीं, जब अदालत कक्ष में लगी स्क्रीन पर राजेश कुमार के घर की सीसीटीवी फुटेज चलाई गई, जिसमें विराज मासूम को पटकता दिख रहा था, तो खुद का पाप देखकर दोषी जितेंद्र पाठक कोर्ट रूम में ही अपने चेहरे पर थप्पड़ मारने लगा और रोने लगा था। एसएसपी आदित्य लांग्हे का कहना है कि वारदात के बाद से ही पुलिस का लक्ष्य आरोपी विराज को कोर्ट से दोषी करार कराते हुए फांसी की सजा दिलाने का था। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में पुलिस ने कड़ी मेहनत की। विराज को फांसी की सजा होना, नजीर है। डीएम संतोष कुमार शर्मा ने बताया कि आरव की मौत अत्यंत दुखद थी। उस बच्चे को तो वापस नहीं लाया जा सकता। मगर, पुलिस-प्रशासन ने अपना काम पूरी मेहनत के साथ पूरा किया। दोषी को फांसी की सजा हुई। इस सजा से समाज में न्याय व्यवस्था के प्रति गहरा विश्वास पैदा हुआ है।

### 30 दिन में हाईकोर्ट पहुंचेगी विराज की फाइल, मेरठ जेल में हो सकती है फांसी!

फिरोजाबाद सत्र न्यायालय द्वारा जितेंद्र पाठक उर्फ विराज को मौत की सजा सुनाए जाने के बाद अब इस मामले की कानूनी फाइल इलाहाबाद हाईकोर्ट का रुख करेगी। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, सत्र न्यायालय द्वारा दी गई फांसी की सजा को तब तक अमल में नहीं लाया जा सकता, जब तक उच्च न्यायालय उस पर अपनी अंतिम मुहर न लगा दे। इसके लिए नियमानुसार 30 दिन के भीतर इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील दाखिल की जाएगी। यदि इलाहाबाद हाईकोर्ट से भी विराज की फांसी की सजा बरकरार रहती है, तो उसे उत्तर प्रदेश की चुनिंदा जेलों में से एक मेरठ जेल में स्थित फांसीघर में फंदे पर लटकाया जा सकता है।

# अपहरण और लूट का शातिर बदमाश भूरा पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

एनएनआई

**मथुरा।** थाना बलदेव पुलिस, थाना महावन पुलिस एवं स्वाट टीम की संयुक्त कार्रवाई में अपहरण, छेड़छाड़ व लूट जैसे गंभीर मामलों में वांछित एक शातिर बदमाश को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी फायरिंग में आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगी, उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। मुखबिर की सूचना पर शुक्रवार देर रात यमुना एक्सप्रेसवे के हथौड़ा अंडरपास के समीप चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान बिना नंबर प्लेट की स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल पर सवार एक संदिग्ध युवक को रोकने का प्रयास किया ।

पुलिस को देखते ही आरोपी ने भागने का प्रयास किया, पुलिस टीम पर जानलेवा फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में आरोपी घायल हो गया, उसे पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान ओमप्रकाश उर्फ भूरा (35)पुत्र राधारमण, निवासी जुलेंडी, थाना गोवर्धन (हाल निवासी नगला साखी, हरिकृपा धाम कॉलोनी, गोवर्धन) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी से एक अवैध तमंचा, दो जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस, बिना नंबर प्लेट की स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद की है।

## बांकेबिहारी मंदिर के पास बंद मकान के छज्जे का हिस्सा गिरा

**मथुरा** एनएनआई। वृंदावन के ठाकुर श्रीबांकेबिहारी मंदिर के समीप गंगा मंदिर वाली गली में शुक्रवार शाम एक बड़ा हादसा होने से बच गया। गली में स्थित एक पुराने बंद मकान के छज्जे का हिस्सा (लटकन) अचानक भरभराकर नीचे गिर गया। गनीमत यह रही कि जिस समय यह हादसा हुआ, उस वक्त गली में कोई मौजूद नहीं था। घटना के बाद नगर निगम की कार्रवाई पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। गंगा मंदिर गली में एक बंद मकान के आगे निकल रहे छज्जे का हिस्सा शाम करीब चार बजे गिर गया। तेज आवाज सुनकर आसपास के मकानों में रह रहे लोग बाहर निकल आए। पड़ोसियों के अनुसार, मकान मालिक अन्य राज्य में रहते हैं। यह मकान लगभग तीस साल पहले बना था, जो कि लंबे समय से बंद है। मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होने पर पुलिस द्वारा पक्के चबूतरे से श्रीबांकेबिहारी मंदिर जाने वाले भक्तों को इसी गंगा मंदिर वाली गली से होकर डायवर्ट किया जाता है।

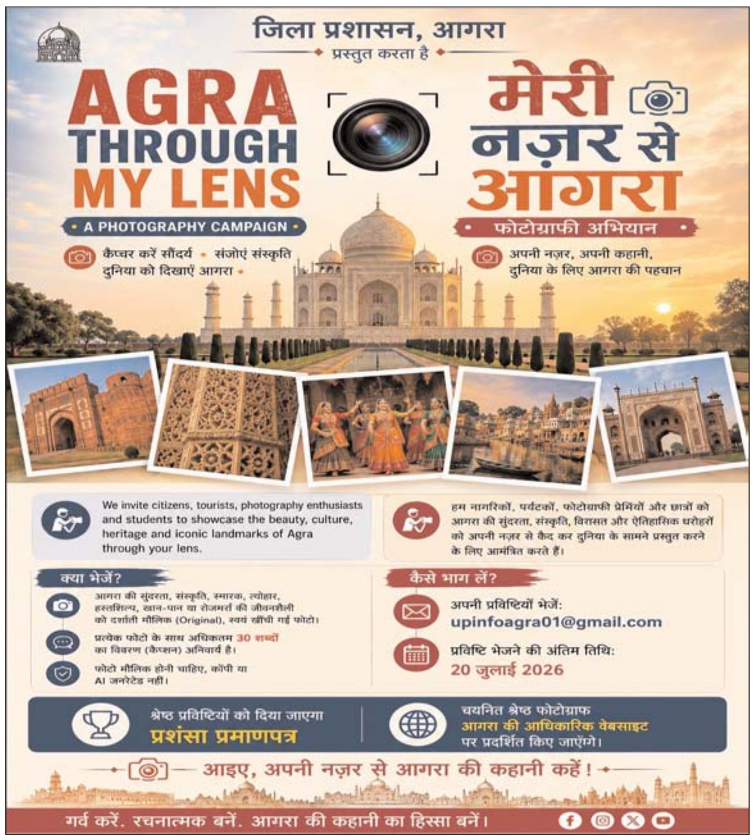

# बसई सब्जी मंडी में गरजा बुलडोजर

## सड़क और फुटपाथ से हटाया गया अवैध अतिक्रमण

एनएनआई

**आगरा।** ताजगंज थाना क्षेत्र के बसई खुर्द स्थित बसई सब्जी मंडी में शनिवार सुबह नगर निगम के सचल दल ने अवैध अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया। लंबे समय से मिल रही शिकायतों के बाद टीम ने सड़क और फुटपाथ पर कब्जा जमाकर दुकानें लगाने वाले सब्जी विक्रेताओं को हटाया।

कार्रवाई के दौरान बुलडोजर की मदद से सड़क और फुटपाथ पर किए गए अवैध कब्जों को हटाया गया। अधिकारियों ने बताया कि बसई सब्जी मंडी में अतिक्रमण के कारण आए दिन जाम की समस्या बनी रहती थी, जिससे स्थानीय लोगों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। कुछ दिन पहले भी इसी क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया जा चुका है, लेकिन कुछ लोगों ने दोबारा कब्जा कर लिया था। इस बार कार्रवाई के दौरान अतिक्रमणकारियों को सख्त चेतावनी दी गई कि यदि दोबारा सड़क और फुटपाथ पर कब्जा किया गया तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम की इस कार्रवाई से क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुचारु होने और आम जनता को जाम की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। अभियान के दौरान पुलिस बल भी मौके पर मौजूद रहा, जिससे कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

# रोडवेज बस डिवाइडर से टकराई, दो महिला यात्री घायल

**फतेहाबाद** एनएनआई। आज तड़के करीब तीन बजे दिल्ली से बाह जा रही रोडवेज बस फतेहाबाद क्षेत्र में पारस डेयरी के पास अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में बस का अगला पहिया निकल गया, जिससे बस एक ओर झुक गई। दुर्घटना में दो महिला यात्री घायल हो गईं। सूचना मिलते ही थाना फतेहाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने घायल भूरी देवी पत्नी रक्षपाल निवासी खेड़ा राठौर तथा आरती पत्नी धर्मेंद्र निवासी दरभंगा (बिहार) को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहाबाद में भर्ती कराया। हादसे के बाद बस में सवार अन्य यात्रियों को सुरक्षित दूसरी रोडवेज बस के माध्यम से उनके गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया। दुर्घटना के चलते कुछ समय के लिए मार्ग पर अफरा-तफरी का माहौल रहा, लेकिन पुलिस की तत्परता से स्थिति जल्द ही सामान्य हो गई। प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। घायलों को तत्काल अस्पताल भेजा गया तथा अन्य यात्रियों को सुरक्षित दुसरी बस से उन्हें उनके गंतव्य के लिए रवाना किया गया।

# आईएसबीटी पर एक्सीडेंट में पति-पत्नी की मौत

एनएनआई

**आगरा** हाईवे पर आईएसबीटी कट पर शुक्रवार शाम को दर्दनाक हादसे में दंपती की जान चली गई। सर्विस रोड से हाईवे पर आने के दौरान पीछे से आते तेज रफ्तार कंटेनर ने दोनों को बाइक सहित 40 मीटर तक घसीटता ले गया। दिल दहलाने वाले हादसे से अफरातफरी मच गई। राहगीरों के शोर मचाने पर चालक ने ब्रेक लगाए। घटना के बाद जाम लग गया। वहीं मृतक के परिवार में कोहराम मच गया।

घटना शाम तकरीबन 6:40 बजे की है। सिकंदरा के नगला छीतर निवासी 41 वर्षीय अजय सिंह सिकरवार मजदूरी करते थे। वह पत्नी पूजा के साथ बाइक से घर आ रहे थे। वह खंदारी स्थित सर्विस रोड होते हुए आईएसबीटी की तरफ आए। आईएसबीटी

कट से अजय ने बाइक को हाईवे की तरफ लिया। यहां पर मेट्रो का निर्माण कार्य चल रहा है। इस कारण बैरिकेडिंग लगी हुई है। यहां पर अवैध तरीके से बसों का ठहराव होता है। अजय के बाइक को हाईवे पर लाते ही तेज गति से आ रहे कंटेनर ने अपनी चपेट में ले लिया।

इसके बावजूद चालक ने कंटेनर को नहीं रोका। पति-पत्नी और बाइक फंस गए। वह उन्हें घसीटता हुआ ले गया। यह देखकर लोगों की चीख निकल गई। बाद में कुछ राहगीरों ने शोर मचाया। चालक से कंटेनर रोकने की कहने लगे। 40 मीटर आगे चालक ने ब्रेक लगाए। तब तक अजय की मौत हो गई। वहीं पूजा गंभीर घायल हो गईं। उन्हें किसी तरह लोग अस्पताल ले गए, लेकिन उनकी भी मृत्यु हो गई।

हादसे के बाद हाईवे पर जाम लग गया। सूचना पर एसीपी अमीषा सिंह पहुंच गईं। पुलिस ने कंटेनर को जब्त किया। चालक को हिरासत में ले लिया। इसके बाद ही जाम खुलवाया जा सका। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। बाइक के नंबर से मृतकों की पहचान हो सकी। घटना की जानकारी से अजय सिंह के परिवार में कोहराम मच गया।

# कॉकरोच बनकर प्रदर्शन करने वाले फायरमैन जितेंद्र राठौर बर्खास्त

**आगरा** एनएनआई। अग्निशमन विभाग पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाने वाले फायरमैन जितेंद्र राठौर को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। उसने दीवानी में कॉकरोच बनकर प्रदर्शन किया था। अग्निकांड की घटना के बाद लखनऊ भी पहुंचा था और दिल्ली में भी प्रदर्शन कर चुका है। उसको नोटिस जारी किया गया था। 15 दिन में स्पष्टीकरण नहीं देने पर कार्रवाई की गई। जितेंद्र राठौर मूलरूप से फिरोजाबाद के रहने वाले हैं। उनकी तैनाती आगरा अग्निशमन विभाग में थी। डीईआई में पीएचडी में प्रवेश लिया था, इसके लिए विभाग से छुट्टी ली थी।

## वैधानिक सूचना

सुधि पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गये तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति विज्ञापन दाता खुद ही जिम्मेदार है, पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहानिक जानकारी कर लें। किसी भी विज्ञापन से पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो न्यूज नेक्स्ट इंडिया के मुद्रक, प्रकाशक या संपादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

- प्रबंधक विज्ञापन

समाचार पत्र में छपे किसी भी लेख के लिए प्रधान संपादक उत्तरदायी नहीं है। प्रकाशित विभिन्न रचनाओं के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी है। समाचार पत्र में प्रकाशित सामिग्री / विज्ञापन आदि से प्रधान संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र सिर्फ आगरा होगा।

# शोभायात्रा में हाथी का प्रयोग करने वालों पर दर्ज हो मुकदमा

### पशु प्रेमियों ने वन विभाग को ज्ञापन सौंप की मांग

**आगरा** एनएनआई। केसरी नंदन की निकाली गई शोभायात्रा में हाथी के इस्तेमाल को लेकर पशु प्रेमियों में भारी आक्रोश है। उन्होंने केसरी नंदन महोत्सव समिति पर कार्रवाई की मांग की है।? इसको वन विभाग को ज्ञापन भी सौंपा गया।

पशु प्रेमियों का कहना है कि 3 अप्रैल को आयोजन समिति द्वारा केसरी नंदन की शोभायात्रा निकाली गई थी। इस शोभायात्रा में प्रतिबंधित वन्यजीव 'हाथी' को बिना वन विभाग की अनुमति के शामिल किया गया। समिति का यह कृत्य सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का स्पष्ट उल्लंघन है। इस संबंध में वन विभाग द्वारा आयोजन समिति को 4 अप्रैल और 28 अप्रैल को नोटिस भी जारी किए गए, लेकिन समिति ने कोई

जवाब नहीं दिया। पशु प्रेमी और सामाजिक कार्यकर्ता विनीता अरोरा ने कहा कि नोटिस जारी होने के तीन माह बाद भी वन विभाग द्वारा अभी तक आयोजकों के विरुद्ध कोई मुकदमा पंजीकृत नहीं किया गया है। इसको लेकर पशु प्रेमी विनीता अरोरा के नेतृत्व में अधिवक्ताओं और समाजसेवियों ने शुक्रवार को वन विभाग कार्यालय में आयोजकों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराने को तहरीर दी। चेतावनी दी कि अगर वन विभाग आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं करता तो पशु प्रेमी न्यायालय की शरण लेने को मजबूर होंगे। इसमें वन विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों को भी पक्षकार बनाया जाएगा।

# डांस क्लास से बच्ची का अपहरण, 40 लाख की फिरौती मांगी

### ढाई घंटे बाद घर पहुंची मासूम

**आगरा** एनएनआई। प्रताप नगर (थाना जगदीशपुरा) में शुक्रवार शाम को डांस क्लासेज आई 10 वर्षीय छात्रा नाटकीय अंदाज में लापता हो गई। पिता कोचिंग पहुंचे तो बेटी के नहीं मिलने पर घटना का पता चला। घर में 40 लाख रुपये की फिरौती की मांग का पत्र भी मिला। सूचना पर पुलिस ने तलाश की। तीन टीमों में 50 से अधिक पुलिसकर्मियों को छानबीन में लगाया गया। ढाई घंटे बाद छात्रा घर पहुंच गई। वह बदहवास हालत में थी। उसे कुछ याद नहीं था। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले। छात्रा को कौन लेकर गया? पत्र किसने घर के अंदर डाला? इस बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पिता का कहना है कि उसे कार सवार उतारकर चले गए हैं। बालिका के पिता पोशाक और पूजा सामिग्री की बिक्री का कारोबार करते हैं। बेटी कक्षा चार में पढ़ती है। वह प्रताप नगर स्थित पुलिस चौकी के पास डांस की कोचिंग में जाती है। पिता ने बताया कि उन्होंने बेटी को सवा छह बजे कोचिंग के बाहर उतारा था। पहली मंजिल पर क्लास लगती है। बेटी सीढ़ियों पर चढ़ गई। इस पर वो वहां से चले गए। रात तकरीबन आठ बजे बेटी को लेने पहुंचे। मगर टीचर ने बताया कि वह आई नहीं है। वह घबरा गए। इस पर घर आ गए। घर के बरामदे में पत्र पड़ा मिला।

बेटी के अपहरण पर पिता और मां चीखने लगे। इस पर पड़ोसी आ गए। घर के पास ही अलकापुरी पुलिस चौकी है। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। डीसीपी सिटी सय्यद अली अब्बास ने बताया कि एडीसीपी हिमांशु गौरव को घटनास्थल पर भेजा गया। तीन टीमों को गठन किया गया। 50 पुलिसकर्मी लगाए गए। इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे थे। सोशल मीडिया पर भी अपहरण की जानकारी वायरल हो गई। रात 8:51 बजे नाटकीय अंदाज में बालिका घर पहुंच गई। इससे माता-पिता ने राहत की सांस ली।

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र
# न्यूज नेक्स्ट इण्डिया
NNI हर खबर पर पक्की नजर
पत्रकारिता हमारा धर्म निष्पक्षता हमारी पहचान
आगरा
www.nnindianews.com
शनिवार, 11 जुलाई, 2026


पार्ट-२
एनएनआई

छोटा बच्चा जान के ना कोई आंख दिखाना

# बचपन को बदनाम नहीं, सुरक्षित करें

याद रखिए–किसी नाबालिग का नाम, फोटो या वीडियो वायरल करना केवल उसकी निजता का उल्लंघन नहीं, बल्कि उसके पूरे भविष्य को खतरे में डाल सकता है। बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना केवल सरकार का नहीं, हम सभी का संवैधानिक और नैतिक दायित्व है।

- नाबालिग की पहचान उजागर करना पड़ सकता है भारीः जानिए क्या कहता है किशोर न्याय कानून
- बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना पुलिस, मीडिया और समाज की कानूनी जिम्मेदारी

## महत्वपूर्ण न्यायिक निर्णय

Pratap Singh v. State of Jharkhand (2005)

- उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट किया कि किशोर होने का निर्धारण घटना की तिथि पर आयु के आधार पर किया जाएगा।

Hari Ram v. State of Rajasthan (2009)

- उच्चतम न्यायालय ने बाल-अधिकारों की उदार व्याख्या करते हुए कहा कि जहाँ कानून का उद्देश्य बच्चों का संरक्षण है, वहाँ उसके प्रावधानों की ऐसी व्याख्या की जानी चाहिए जिससे बच्चे के अधिकार सुरक्षित रहें।

Shilpa Mittal v. NCT of Delhi (2020)

- उच्चतम न्यायालय ने किशोर न्याय अधिनियम में अपराधों के वर्गीकरण से जुड़े महत्वपूर्ण प्रश्नों की व्याख्या करते हुए स्पष्ट किया कि अधिनियम की श्रेणियों का उपयोग सावधानीपूर्वक किया जाना चाहिए और प्रत्येक मामला उसके तथ्यों के आधार पर देखा जाएगा।

नरेश कुमार पारस
अधिवक्ता एवं आरटीआई एक्टिविस्ट

## क्या आप जानते हैं ?

- भारत में 18 वर्ष से कम आयु का प्रत्येक व्यक्ति कानून की दृष्टि में बालक माना जाता है।
- किसी नाबालिग का नाम, फोटो, वीडियो या पहचान उजागर करना कानूनन प्रतिबंधित है।
- किशोर न्याय अधिनियम का उद्देश्य बच्चों को दंडित करना नहीं, बल्कि उनका सुधार और पुनर्वास करना है।
- किसी नाबालिग को सामान्य परिस्थितियों में पुलिस लॉकअप या जेल में नहीं रखा जा सकता।
- बच्चों से जुड़े मामलों की सुनवाई किशोर न्याय बोर्ड (JJB) द्वारा की जाती है।
- कानून के अनुसार बच्चे के सर्वोत्तम हित (Best Interest of Child) को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है।

## निष्कर्ष

किशोर न्याय अधिनियम यह संदेश देता है कि हर बच्चा सुधार की संभावना रखता है। कानून का उद्देश्य बच्चे को अपराधी घोषित करना नहीं, बल्कि उसके व्यक्तित्व का पुनर्निर्माण करना है। यदि पुलिस कानून के अनुसार कार्य करे, मीडिया गोपनीयता का सम्मान करे और समाज बच्चों को दूसरा अवसर दे, तभी इस अधिनियम की वास्तविक भावना साकार होगी।

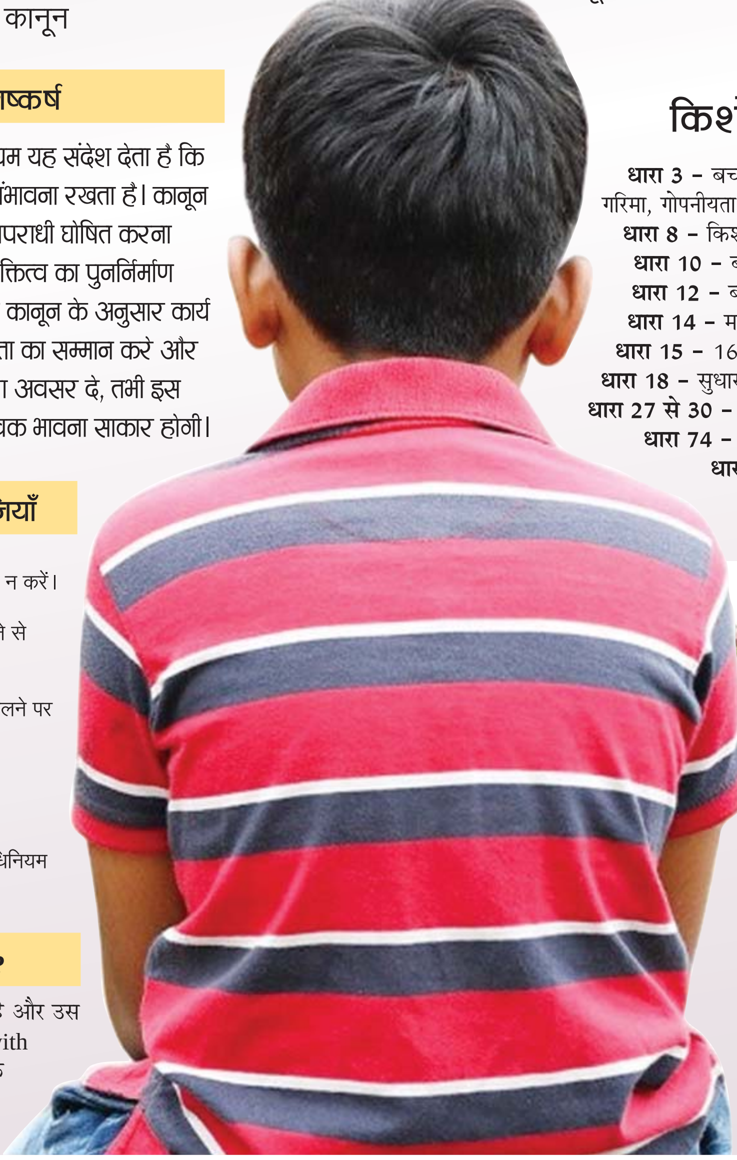

## किशोर न्याय अधिनियम की प्रमुख धाराएँ

**धारा 3** – बच्चों से संबंधित मामलों में अपनाए जाने वाले मूल सिद्धांत, जैसे सर्वोत्तम हित, गरिमा, गोपनीयता और पुनर्वास।
**धारा 8** – किशोर न्याय बोर्ड की शक्तियाँ और कार्य।
**धारा 10** – बच्चे को संरक्षण में लेने के बाद की प्रक्रिया।
**धारा 12** – बच्चे को जमानत देने का प्रावधान।
**धारा 14** – मामलों की जांच और निस्तारण की प्रक्रिया।
**धारा 15** – 16 से 18 वर्ष के बच्चों द्वारा कथित जघन्य अपराधों में प्रारंभिक मूल्यांकन।
**धारा 18** – सुधार, परामर्श, पुनर्वास और अन्य वैकल्पिक उपाय।
**धारा 27 से 30** – बाल कल्याण समिति (उहउ) के गठन और अधिकार।
**धारा 74** – बच्चे की पहचान प्रकाशित करने पर रोक।
**धारा 75** – बच्चे के प्रति क्रूरता को दंडनीय अपराध घोषित करना।
**धारा 76 से 81** – बच्चों के शोषण, भीख मंगवाने, नशीले पदार्थ देने और अन्य अपराधों से संबंधित दंडात्मक प्रावधान।

## आम नागरिकों के लिए 5 कानूनी सावधानियाँ

**1. नाबालिग की पहचान सार्वजनिक न करें**
किसी भी बच्चे का नाम, फोटो, वीडियो या पता सोशल मीडिया पर साझा न करें।
**2. वायरल सामग्री आगे न बढ़ाएँ**
यदि किसी बच्चे से जुड़ी वीडियो या पोस्ट प्राप्त हो, तो उसे फॉरवर्ड करने से बचें।
**3. बाल शोषण की सूचना दें**
बाल श्रम, बाल विवाह, भीख मंगवाने, तस्करी या शोषण की जानकारी मिलने पर तुरंत पुलिस या 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन को सूचित करें।
**4. बच्चे को अपराधी का टैग न दें**
कानून का उद्देश्य बच्चे को सुधारना है, इसलिए सामाजिक बहिष्कार या सार्वजनिक अपमान से बचें।
**5. कानून की जानकारी प्राप्त करें**
अभिभावक, शिक्षक, पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता किशोर न्याय अधिनियम के मूल प्रावधानों की जानकारी अवश्य रखें।

## महत्वपूर्ण संपर्क

**चाइल्ड हेल्पलाइन : 1098**
**पुलिस आपातकालीन सेवा : 112**
**राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR)**
**बाल अधिकारों के संरक्षण और शिकायतों के निस्तारण के लिए कार्यरत वैधानिक संस्था।**

## कौन है "Child in Conflict with Law"?

यदि घटना की तिथि पर किसी व्यक्ति की आयु 18 वर्ष से कम है और उस पर किसी अपराध का आरोप है, तो वह Child in Conflict with Law कहलाता है। उसके मामले की सुनवाई सामान्य आपराधिक न्यायालय नहीं बल्कि किशोर न्याय बोर्ड (Juvenile Justice Board) करता है।

बच्चे देश का भविष्य हैं। उनकी एक गलती को जीवनभर की सजा में बदलना न्याय नहीं है। उन्हें सुरक्षा, अवसर और सुधार का अधिकार देना ही सच्चे अर्थों में बाल न्याय है।

# नकली और संदिग्ध दवाओं के कारोबार के खिलाफ हुई कार्रवाई

## खरीद-बिक्री के रिकॉर्ड और दस्तावेजों की जांच शुरू

एनएनआई

**आगरा।** नकली और संदिग्ध दवाओं के कारोबार के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए)ने बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। कमिश्नर डॉ. रोशन जैकब के नेतृत्व में आगरा समेत कई जिलों की संयुक्त टीमों ने शहर के दवा बाजार में व्यापक छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। कई जिलों की टीमों ने दवा प्रतिष्ठानों पर पहुंचकर स्टॉक, खरीद-बिक्री के रिकॉर्ड और दस्तावेजों की जांच शुरू की। कार्रवाई के दौरान कम्मू टोला स्थित वंश फार्मा और मोहन ट्रेडर्स के प्रतिष्ठानों पर घंटों तक जांच-पड़ताल की गई।

एफएसडीए अधिकारियों ने एएस कॉम्प्लेक्स और मुबारक महल में संचालित कई दवा प्रतिष्ठानों के स्टॉक, खरीद-बिक्री के दस्तावेजों और बिलों की गहन जांच की। टीम यह पता लगाने में जुटी है कि संदिग्ध दवाओं की सप्लाई किन-किन जिलों और राज्यों तक फैली हुई है।

जांच के दौरान चेमोरल फोर्ट, ऑक्सालिजन डीपी और टेल्मा-40 समेत कई चर्चित दवा ब्रांडों की सप्लाई चेन खंगाली जा रही है। अधिकारियों को शक है कि इन ब्रांडों के नाम पर नकली दवाओं का कारोबार किया गया है।

इसके अलावा राजस्थान में प्रतिबंधित आईपिल और अनवांटेड-72 जैसी दवाओं के नेटवर्क की भी जांच की जा रही है। आरोप है कि मोहन ट्रेडर्स ने श्री जी फार्मा से भारी मात्रा में संदिग्ध और नकली दवाओं की खरीद की थी। हालांकि, इस मामले में अंतिम निष्कर्ष जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएंगे।

विभागीय रिकॉर्ड के अनुसार कुछ प्रतिष्ठानों पर पहले भी कई बार छापेमारी की जा चुकी है। बीते दिनों गेलवास मेट दवा के 40 कार्टन जब्त किए गए थे। जांच में यह तथ्य सामने आया कि पुदुचेरी से खरीदे गए इन कार्टनों की सप्लाई की गई थी। एफएसडीए की टीम अब पूरे सप्लाई नेटवर्क की परत-दर-परत जांच कर रही है।

अधिकारियों द्वारा स्टॉक का भौतिक सत्यापन, खरीद-बिक्री के बिलों का मिलान और विभिन्न राज्यों के वितरकों से जुड़े दस्तावेजों की जांच की जा रही है।

# हरिनाम संकीर्तन करते हुए निकाली रथयात्रा की आमंत्रण यात्रा

- करकुंज चौराहे से प्रारम्भ होकर कारगिल पेट्रोल पम्प होते हुए पश्चिमपुरी चौराहे तक किया आमंत्रण यात्रा ने भ्रमण

एनएनआई

**आगरा।** मृदंग और मंजीरों संग कीर्तन पर झूमते भक्तजन। सिर पर विराजमान श्रीजगन्नाथजी, बहन सुभद्रा और भाई बलराम के विग्रह स्वरूप। श्रीजगन्नाथ रथयात्रा के लिए भक्तों के बुलावे का आमंत्रण इस्कॉन मंदिर द्वारा श्रद्धालुओं के पास श्रद्धा-भाव से पहुंचाया। मृदंग और मंजीरे पर हरे राम हरे रामा, कृष्णा कृष्णा हरे हरे... का कीर्तन करते हुए करकुंज चौराहे से आमंत्रण यात्रा का भक्ति भाव के साथ आयोजन किया गया। श्रीहरि की भक्ति में झूमते नाचते श्रद्धालुओ ने स्कॉन द्वारा बल्केश्वर महादेव मंदिर से आयोजित की जा रही श्रीजगन्नाथ रथयात्रा के लिए निमंत्रण दिया।

श्रद्धा, उत्साह और भक्ति से ओतप्रोत इस यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पूरे मार्ग को भक्तिमय बना दिया। आमंत्रण यात्रा का शुभारंभ करकुंज चौराहे से हुआ, जिसने कारगिल पैट्रोल पम्प होते पश्चिमपुरी चौराहे तक भ्रमण किया। ढोलक, मृदंग और मंजीरों की मधुर धुनों के साथ श्रद्धालु 'हरे राम, हरे कृष्ण' के संकीर्तन का गायन करते हुए आगे बढ़े। भजन-कीर्तन की स्वर लहरियों और भक्तों के उत्साहपूर्ण नृत्य से वातावरण पूरी तरह भक्तिरस में डूब गया। यात्रा में शामिल श्रद्धालु पीले वस्त्र धारण किए हुए थे। भक्तों ने अपने सिर पर भगवान श्रीजगन्नाथ जी के विग्रह को श्रद्धापूर्वक विराजमान किया हुआ था। श्रद्धालुओं के हाथों में भगवा ध्वज लहरा रहे थे, जो सनातन संस्कृति और धार्मिक आस्था का प्रतीक बनकर पूरे मार्ग में आकर्षण का केंद्र रहे। जयघोष और हरिनाम संकीर्तन से मार्ग पर उपस्थित लोगों में भी उत्साह का संचार होता रहा। विभिन्न स्थानों पर स्थानीय नागरिकों एवं सामाजिक संगठनों ने श्रद्धालुओं का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। जगह-जगह लोगों ने यात्रा में शामिल भक्तों पर फूल बरसाकर भगवान श्रीजगन्नाथ जी की रथयात्रा के प्रति अपनी श्रद्धा और उत्साह का परिचय दिया। इस अवसर पर मुख्य रूप से हिमांशु गुप्ता, केएन सिंघल, शैलेन्द्र अग्रवाल, नितेश अग्रवाल, विकास बंसल (लड्डू भाई) आदि उपस्थित थे।

# बेसहारों का सहारा ट्रस्ट परिवार ने गौ पूजन कर खिलाई हरी सब्जियां

### योगिनी एकादशी पर गौ सेवा कर मनाई भगवान जगन्नाथ के स्वास्थ्य लाभ की खुशी

एनएनआई

**आगरा।** बेसहारों का सहारा ट्रस्ट परिवार द्वारा प्राचीन श्री जगन्नाथ मंदिर, बेलनगंज, यमुना किनारा में आयोजित होने जा रहे श्री जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव के अंतर्गत योगिनी एकादशी के पावन अवसर पर भगवान जगन्नाथ के स्वास्थ्य लाभ (अनसर काल की पूर्णता) की खुशी में वॉटर वर्क्स स्थित अतिथि वन गौशाला में गौ सेवा एवं गौ पूजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से गौ माता का पूजन कर उन्हें हरी सब्जियां खिलाईं तथा समस्त मानव समाज के सुख, समृद्धि और मंगल की कामना की।

ट्रस्ट के अध्यक्ष तरंग सिंघल ने बताया कि बेसहारों का सहारा ट्रस्ट परिवार नियमित रूप से सेवा कार्यों में सक्रिय रहता है। प्रत्येक माह गौ सेवा के साथ-साथ विभिन्न आश्रमों में भोजन प्रसादी की व्यवस्था कर जरूरतमंदों की सेवा की जाती है। उन्होंने कहा कि गौ सेवा भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण अंग है तथा इससे सेवा और संवेदना की भावना मजबूत होती है।

प्राचीन श्री जगन्नाथ मंदिर, बेलनगंज से लक्ष्मण शर्मा, सरिता शर्मा, स्नेहा शर्मा एवं चिराग शर्मा ने बताया कि 16 जुलाई को 200 वर्ष प्राचीन श्री जगन्नाथ जी मंदिर में रथ यात्रा महोत्सव दर्शन एवं प्रसादी होगी। सभी ने भगवान जगन्नाथ के भजन-कीर्तन एवं गुणगान कर भक्तिमय वातावरण बनाया और सभी के उज्ज्वल भविष्य तथा विश्व कल्याण की प्रार्थना की।

इस अवसर पर ट्रस्ट के संस्थापक पवन सिंघल, कोषाध्यक्ष जितेश सिंघल, सचिव पवन सजनानी, जेठानंद सजनानी, आनंद अग्रवाल (खुले पंख), चन्द्र प्रकाश अग्रवाल, डॉ. शुभम गर्ग, सारंग सिंघल, प्रीति गोयल, मिनी गोयल, सीए अमित मित्तल, शशि मित्तल, कनिष्क मित्तल, अनन्या मित्तल, अमन गंगवानी, आशीष अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

# आयकर भवन में लगाया स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

### आयकर कर्मचारियों ने मानव सेवा को किया बढ़चढ़कर रक्तदान

एनएनआई

**आगरा।** आयकर कर्मचारी महासंघ एवं आयकर विभाग के संयुक्त तत्वाधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन संजय प्लेस स्थित आयकर भवन में किया गया। शिविर का शुभारंभ एडिशनल कमिश्नर (इन्वेस्टिगेशन) पीयूष कोठारी, एडिशनल कमिश्नर रेंज-1 राजेश गुप्ता, आयकर मुख्यालय अधिकारी रविंद्र सिंह, आयकर अधिकारी(आईटीगोवा) तरुण सिंह सैनी तथा लोकहितम चैरिटेबल ब्लड सेंटर के निदेशक संजीव जैन ने दीप प्रज्वलित कर किया। क्षेत्रीय सचिव संतोष केसरी ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा महादान है। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन देने का माध्यम बन सकता है। आयकर विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी प्रत्येक वर्ष सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करते हुए स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित करते हैं, जिससे थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों, दुर्घटना पीड़ितों तथा अन्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर सुरक्षित रक्त उपलब्ध कराया जा सके। कोषाध्यक्ष राम नारायण मीना, यतेंद्र पांडे एवं सतेंद्र राठौड़ ने कहा कि रक्तदान पूरी तरह सुरक्षित प्रक्रिया है। इससे शरीर पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता, बल्कि शरीर में नए रक्त कोशिकाओं के निर्माण की प्रक्रिया सक्रिय होती है। शिविर में लोगों से नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करने तथा समाज में रक्तदान के प्रति फैली भ्रांतियों को दूर करने का आह्वान किया। लोकहितम चैरिटेबल ब्लड सेंटर के महासचिव अनिल अग्रवाल ने कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान ही सुरक्षित रक्त उपलब्ध कराने का सबसे प्रभावी माध्यम है। समाज के प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान कर मानवता की सेवा में अपना योगदान देना चाहिए। शिविर में आयकर विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक 70 यूनिट स्वैच्छिक रक्तदान किया। इस अवसर पर संयुक्त सचिव वाई.के. पांडेय, अजय दुबे, मानस राय, अंकित खंडेलवाल, अक्षेय मित्तल आदि उपस्थित रहे।

# आगरा में कल रोपे जाएंगे 53 .94 लाख पौधे

## डीएम मनीष बंसल ने वृक्षारोपण स्थल, शास्त्रीपुरम ब्लॉक-डी पार्क का किया निरीक्षण, तैयारियों का लिया जायजा

एनएनआई

**आगरा।** वृक्षारोपण महायज्ञ–2026 के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन के दृष्टिगत जिलाधिकारी मनीष बंसल जी ने शास्त्रीपुरम डी–ब्लॉक स्थित प्रस्तावित पौधारोपण स्थल का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी महोदय ने पौधारोपण हेतु गड्ढों की खुदाई कार्य में तेजी लाने, स्थल को विभिन्न थीम आधारित खंडों में विकसित करते हुए औषधीय एवं हर्बल पौधों, पोषण वाटिका तथा फलदार पौधों का रोपण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को पहुंच मार्गों की समुचित साफ–सफाई कराने, आगंतुकों एवं जनप्रतिनिधियों के बैठने की समुचित व्यवस्था करने, मंच निर्माण तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण महायज्ञ–2026 को जनसहभागिता के साथ भव्य एवं सफल बनाने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए सौंपे गए दायित्वों का समय से निर्वहन सुनिश्चित करें।

डीएम ने बताया कि 12 जुलाई को शास्त्रीपुरम डी–ब्लॉक में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री एस.पी. सिंह बघेल, कैबिनेट मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, महापौर हेमलता दिवाकर कुशवाह सहित जनपद के जनप्रतिनिधिगण तथा शासन द्वारा नामित जनपद के नोडल अधिकारी प्रमुख सचिव, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग डॉ. हरिओम की गरिमामयी उपस्थिति में वृक्षारोपण किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि जनपद में वृक्षारोपण महायज्ञ–2026 के अंतर्गत वन विभाग द्वारा लगभग 19 लाख पौधों सहित विभिन्न विभागों के माध्यम से कुल 53 लाख 94 हजार पौधों का रोपण किया जाएगा। अभियान के प्रभावी संचालन हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में संबंधित तहसीलों के उपजिलाधिकारियों एवं खंड विकास अधिकारियों को जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि नगरीय क्षेत्रों में विभिन्न विभाग प्रशासनिक समन्वय के साथ व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण सुनिश्चित करेंगे। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी प्रतिभा सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) आजाद भगत सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी राजेश कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

# ग्रुप कमांडर ने किया कैंप का निरीक्षण

एनएनआई

**आगरा।** वन यूपी बटालियन, एनसीसी द्वारा संचालित सीएटीसी-06 कैंप जो श्री राम आदर्श महाविद्यालय,पनवारी ,आगरा में संचालित है, उसमें एनसीसी ग्रुप के कमांडर ब्रिगेडियर सुरेंद्र पाल यादव, युद्ध सेवा मेडल ने कैंप का निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाओ का अवलोकन किया व सराहना की।

कैडिटों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कड़े अनुशासन और निरंतर प्रयास से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। एनसीसी का उद्देश्य ही कैडिटों का सर्वांगीण विकास करना है। एनसीसी युवाओं में एकता,अनुशासन के साथ-साथ देश के प्रति समर्पण के भाव का प्रसार करती है। ब्रिगेडियर यादव ने सभी कैडिटों से मिलजुल कर रहने और परस्पर एक दूसरे से सीखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि आगरा ग्रुप के लिए गर्व की बात है कि वर्तमान में इस ग्रुप के 12 एनसीसी कैडेट सेना में अफसर के पद पर तैनात हैं। ग्रुप कमांडर के आगमन पर एनसीसी कैडेट्स ने उनका स्वागत गार्ड ऑफ ऑनर देकर किया जिसका नेतृत्व सीनियर अंडर ऑफिसर समायरा सिंह ने किया था इसके अलावा सीनियर अंडर ऑफिसर रोहित, सार्जेंट प्रियंका वर्मा, सार्जेंट मानसी शर्मा,सीपीएल सक्षम, सीपीएल रेहान खान, सार्जेंट जाह्नवी बरमानी, सार्जेंट अर्नव शर्मा और सार्जेंट संजना कुमारी ने गार्ड ऑफ ऑनर में अपनी प्रतिभागिता दी जिसका प्रशिक्षण नायक अभिषेक सिंह ने दिया.ग्रुप कमांडर की पायलटिंग सीपीएल काजल और सीपीएल प्रियंका कुमारी ने की कैंप के सीनियर प्रतीक दुरंग भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का सफल संचालन सार्जेंट जाह्नवी बरमानी ने किया कार्यक्रम का समापन एनसीसी सॉन्ग के साथ हुआ कैंप कमांडेंट कर्नल दीपक जुयाल,डिप्टी कैंप कमांडेंट मेजर शंभू पांडे ,कैम्प एडजुटेंट कैप्टेन मनीष कुमार, कैंप क्वार्टर मास्टर फर्स्ट अफसर विकास मिश्रा, कैंप पी आर ओ फर्स्ट अफसर ज्ञानेंद्र तिवारी, कैंप कल्चरल कोऑर्डिनेटर एस ओ रजनी और कैंप मैसिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट वरुण कुमार उपस्थित रहे। व्यवस्थाओ में सूबेदार मेजर निर्मल सिंह, कैंप जेसीओ बृजपाल सिंह,एम टी जेसीओ राजेंद्र लाल शाह,ट्रेनिंग जेसीओ एच आर यादव, जेक्यूएम श्याम बुद्धाथोकि, बीएचएम मोहम्मद मोइनुद्दीन, ट्रेनिंग एनसीओ धीरज कुमार गुरंग,हवलदार मोहिंदर सिंह उपस्थित रहे।

# आगरा मंडल व्यापार संगठन ने लगाए पौधे

एनएनआई

**आगरा।** आगरा मंडल व्यापार संगठन ने संस्था के संस्थापक (देहदानी) स्व. गोविंद अग्रवाल की स्मृति में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन न्यू मार्केट जीवनी मंडी पर किया।

संगठन के कार्यवाहक अध्यक्ष गिरीश गोयल ने कहा कि संस्थापक स्वर्गीय गोविंद अग्रवाल की यादों को हमेशा ताजा रखने के लिए इन पेड़ों का लगाया गया है जैसे–जैसे यह बड़े होंगे वैसे–वैसे उनकी यादें हमारे मन में बसी रहेंगे इस अवसर पर संगठन के गिरीश चंद्र गोयल, राजकुमार अग्रवाल, अशोक गोयल, नीतू अग्रवाल, रिंकू अग्रवाल, चरणजीत टिम्मा, सौरभ अग्रवाल राजेश अग्रवाल, नितिन अग्रवाल, राजीव गुप्ता, राजेश मनचंदा, प्रदीप लूथरा, डीके जैन, राधेलाल अग्रवाल चक्की वाले, व न्यू मार्किट जीवनी मंडी ट्रेडर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री संजय गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष मनोज गुप्ता, डॉक्टर नागेंद्र प्रताप,पदमचंद जैन सलीम, हरिओम, मुन्नी बेगम दिनेश शुक्ला, मोहन धमानी, दीप गोयल, मनीष अग्रवाल (इंफ्रा) आदि काफी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

# परिवार नियोजन को अंतरा पर बढ़ रहा विश्वास

एनएनआई

**आगरा।**यूं तो परिवार नियोजन के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभिन्न स्थाई व अस्थाई साधन उपलब्ध हैं, लेकिन इनमें अंतरा इंजेक्शन को काफी पसंद किया जा रहा है। परिवार नियोजन अपनाने वाले दंपति त्रैमासिक गर्भनिरोधक इंजेक्शन अंतरा इंजेक्शन को अपना कर खुशहाल दाम्पत्य जीवन जी रहे हैं। परिवार नियोजन के अस्थाई साधनों में त्रैमासिक इंजेक्शन अंतरा को लाभार्थियों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 20797 महिलाओं ने और वित्तीय वर्ष 2025-26 में 23323 महिलाओ ने अंतरा इंजेक्शन को अपनाया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण श्रीवास्तव ने बताया कि जनपद आगरा में महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य में सुधार लाने के लिए अंतरा गर्भ निरोधक इंजेक्शन को महिलाओं ने विकल्प के तौर पर चुना है। अंतरा इंजेक्शन अनचाहे गर्भ को रोकने व दो बच्चों के बीच अंतर रखने का एक सुरक्षित अस्थायी गर्भनिरोधक विकल्प हैं। तीन माह के अंतराल में लगने वाला यह जिला महिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों व उप-केन्द्रों पर लगाया जाता है । नव विवाहित दंपति से अपील है कि वह शादी के दो साल बाद ही पहले बच्चे की योजना बनायें और दो बच्चों के जन्म में तीन वर्ष का अंतर रखें।

# डॉ. शिवम ने ग्रहण किया मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यभार

एनएनआई

**आगरा।** डॉ. शिवम शर्मा ने उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया है। उन्होंने यह पदभार निवर्तमान मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी की मुख्य यातायात योजना प्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे के रूप में पदोन्नति के उपरांत ग्रहण किया है।

डॉ शर्मा इससे पहले प्रयागराज मंडल में वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। उल्लेखनीय है कि मुख्य जनसंपर्क अधिकारी के रूप में श्री शर्मा की दूसरी पारी है। इससे पूर्व उन्होंने वर्ष 2021-22 के दौरान भी इस पद का दायित्व संभाला था। इसी क्रम में उन्होंने प्रतिनियुक्ति पर भारतीय खेल प्राधिकरण में निदेशक पद पर कार्य किया। उन्होंने अपने लगभग तीन वर्ष के कार्यकाल के दौरान राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला में निदेशक के रूप में कार्य किया तथा बाद में सोनीपत स्थित उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र में क्षेत्रीय निदेशक के रूप में पदोन्नत हुए। डॉ. शिवम शर्मा भारतीय रेलवे यातायात सेवा के वर्ष 2011 बैच के अधिकारी हैं तथा उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से डेंटल सर्जरी में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। वे उत्तर मध्य रेलवे के ऊर्जावान एवं गतिशील अधिकारियों में गिने जाते हैं।

# करोड़ों की जमीन के बैनामे पर तहसील में हंगामा, मारपीट

एनएनआई

**फतेहाबाद।** तहसील स्थित उप निबंधक (रजिस्ट्री) कार्यालय में शुक्रवार को करीब पांच करोड़ रुपये की जमीन के बैनामे को लेकर जमकर हंगामा हो गया। जमीन की रजिस्ट्री कराने पहुंचे पक्ष का अन्य दो दामादों ने विरोध कर दिया। देखते ही देखते दोनों पक्षों में कहासुनी बढ़कर हाथापाई में बदल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करते हुए दोनों पक्षों को थाने ले गई। एहतियात के तौर पर तहसील परिसर में अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया।

जानकारी के अनुसार, पति की मृत्यु के बाद पूरी संपत्ति अभिलेखों में उनकी पत्नी राधा देवी के नाम दर्ज हो गई थी। बाद में राधा देवी ने अपनी तीनों बेटियों के नाम वसीयत कर दी थी तथा राधा देवी की भी मृत्यु हो गई आरोप है कि उनके साथ रहने वाले एक दामाद लाखन सिंह ने बाद में पूरी संपत्ति अपने नाम दर्ज करा ली। इसके बाद उसने करीब पांच करोड़ रुपये में जमीन का सौदा कर दिया।

बताया जा रहा है कि गुरुवार को भी जमीन का बैनामा कराने का प्रयास किया गया था, लेकिन विरोध के चलते रजिस्ट्री नहीं हो सकी। शुक्रवार को दोबारा बैनामा कराने पहुंचे तो अन्य दोनों दामादों ने इसका विरोध कर दिया। इसी दौरान दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और विवाद हाथापाई तक पहुंच गया।मामले की सूचना पर पहुंची पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप कर स्थिति को शांत कराया और दोनों पक्षों को पूछताछ के लिए थाने ले गई। थाना प्रभारी विनोद कुमार मिश्रा ने बताया दोनों पक्षों को थाने लाया गया है कि मामले की जांच की जा रही है तथा जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

## 12 वर्षीय किशोरी घर से लापता, गुमशुदगी दर्ज

**फतेहपुर सीकरी** एनएनआई। ग्राम नगला रमले (कराही) से 12 वर्षीय किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता हो गई। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिलने पर पुलिस से गुमशुदगी दर्ज कर तलाश कराने की मांग की है।

गांव नगला रमले निवासी हाकिम सिंह पुत्र फूलसिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी 12 वर्षीय पोती बृहस्पतिवार को दोपहर करीब एक बजे अपनी मां की डांट से नाराज होकर घर से चली गई। परिजनों ने रिश्तेदारों और आसपास के गांवों में काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चल सका।

परिजनों के अनुसार, घर से निकलते समय बेटी ने पीले रंग की टॉप, काले रंग की पजामी और लाल रंग का दुपट्टा पहन रखा था। उसकी लंबाई करीब साढ़े तीन फीट, रंग गोरा तथा लंबे बाल हैं, जिनकी वह दो चोटी बनाती है। हाकिम सिंह ने आशंका जताई है कि बच्ची के साथ कोई अप्रिय घटना भी हो सकती है। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है

## नकदी, जेवर समेत किशोरी को अगवा कर ले गया शोहदा

एनएनआई

**बाह।** क्षेत्र के एक गांव से नगदी, जेवर समेत किशोरी के अगवा किए जाने का मामला सामने आया है। शुक्रवार देर शाम थाने पहुंचे बाह के एक गांव के व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी 16 साल की है। बृहस्पतिवार शाम 4 बजे घर से बाजार के लिए निकली थी। देर रात तक वापस नहीं आई तो उसकी खोजबीन की गई। सुराग नहीं लगा है, छानबीन में पता चला है कि सादाबाद हाथरस के सिधियापुर उमराय गांव का अनिल उसे बहला कर अगवा कर ले गया है। बेटी घर पर रखे 2 लाख रुपये की नगदी एवं सोने के जेवर अपने साथ ले गई है। अनिल का गांव की रिश्तेदारी में आना जाना था। इसी दौरान वह उसके संपर्क में आई थी। बाह पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर किशोरी की सुरागरसी शुरू कर दी है।

## अछनेरा में लाखों के जेवरात चोरी, सोता रहा परिवार

एनएनआई

**अछनेरा।** विकासखण्ड अछनेरा के गांव मांगरोल जाट में शुक्रवार की रात को अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम देकर लाखों रुपए के सोने चांदी के आभूषण चोरी कर-के पुलिस को खुली चुनौती दी है घटना के समय पूरा परिवार घर में सोता रहा। सुबह जागने पर कमरे का सामान बिखरा मिला और अलमारी से जेवरात गायब थे। मौके पर पहुची पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार गांव मांगरौल जाट निवासी केदार सिंह पुत्र अर्जुन सिंह ने थाना अछनेरा में तहरीर देकर बताया कि देर रात अज्ञात चोर मकान की सीढ़ियों के रास्ते घर में घुस आए। चोर अलमारी में रखे सोने-चांदी के कीमती आभूषण लेकर फरार हो गए। सुबह परिवार के लोगों की आंख खुली तो कमरे का सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। पीड़ित का कहना है कि चोरी हुए आभूषण उसकी जीवनभर की जमा-पूंजी से बनाए थे। आभूषण चोरी हो जाने से परिवार गहरे सदमे में है।थाना प्रभारी विजय चंदेल ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मौके पर फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड से भी जांच कराई गई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश की जा रही है। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

## 'एक वृक्ष मां के नाम' अभियान के तहत टोल प्लाजा पर किया वृक्षारोपण

**फतेहाबाद** एनएनआई। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) के निर्देशानुसार आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के किलोमीटर-21 स्थित टोल प्लाजा पर शुक्रवार को 'वृक्षारोपण महायज्ञ-2026' के अंतर्गत 'एक वृक्ष मां के नाम' अभियान के तहत भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ यूपीडा के वित्त नियंत्रक संजय सिंह ने अपनी धर्मपत्नी एवं सुपुत्र के साथ मां के नाम पौधा लगाकर किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। यदि हर व्यक्ति एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण करे तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और हरित वातावरण मिल सकेगा।

इस अवसर पर अधिशासी अभियंता एस.पी. सिंह, जूनियर इंजीनियर आशीष शर्मा एवं आकाश, सहायक सुरक्षा अधिकारी सोबरन सिंह, आर.ई. एस.के. चौधरी, एसएएसडी के जीएम संजय सिक्का, विपिन (नवीन) कोचर, प्रोजेक्ट मैनेजर प्रमोद धनगर, एचआर प्रबंधक पीयूष शर्मा, ब्रिज इंजीनियर गोकर्ण सिंह, एसए इंफ्रा के इंजीनियर, एटलस कंपनी के सेफ्टी मैनेजर अखिलेश, वान कंट्रोल रूम, यूपीडा पेट्रोलिंग वाहन-5 एवं 6 के भूतपूर्व सैनिकों तथा टोल प्लाजा और एसएएसडी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण किया। कार्यक्रम के बाद आयोजित गोष्ठी में पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी पर विचार-विमर्श किया गया।

## अपने प्रिय भक्तों का जीवन कृतार्थ करने के लिए पृथ्वी पर अवतरित होते भगवान

एनएनआई

**वृन्दावन।** छटीकरा रोड़ स्थित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आश्रम के सभागार में सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव के चौथे दिन व्यास पीठाधीश्वर स्वामी गिरीशानंद सरस्वती महाराज ने अपनी रसमयी वाणी के द्वारा देश-विदेश से आए समस्त भक्तों-श्रद्धालुओं को वामन अवतार, बलि प्रसंग, गंगा अवतरण, श्रीराम जन्म, श्रीराम विवाह एवं श्रीकृष्ण जन्म की कथा श्रवण कराई।

व्यास पीठाधीश्वर स्वामी गिरीशानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि अखिल कोटि ब्रह्मांड नायक भगवान श्रीकृष्ण ने पृथ्वी पर जन्म लेकर न केवल पापियों, अत्याचारियों व दैत्यों का संहार किया बल्कि उन तमाम भक्तों, ऋषियों-मुनियों एवं साधु-संतों की वाणियों को साकार किया, जिन्होंने पूर्व जन्मों में भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं में संलग्न होने का वरदान प्राप्त किया था।

उन्होंने कहा कि जब-जब पृथ्वी पर पापियों के द्वारा पाप-अनाचार बढ़ने लगता है और धर्म की हानि होने लगती है तब-तब दुष्टों का विनाश और धर्म की पुनर्स्थापना करने के हेतु पृथ्वी पर भगवान नारायण का प्रादुर्भाव होता है।साथ ही भगवान नारायण अपने प्रिय भक्तों का जीवन कृतार्थ करने के लिए भी पृथ्वी पर अवतरित होते हैं।

महोत्सव में पधारे श्रीमज्जगद्गुरु विष्णुस्वामी विजयराम देवाचार्य भैयाजी महाराज श्रीमज्जगद्गुरु पीपाद्वाराचार्य बाबा बलरामदास देवाचार्य महाराज, दिगम्बर अखाड़े के महामंडलेश्वर डॉ. राजेश्वर दास जी महाराज दक्षिण कौशल पीठाधीश्वर राजीव लोचन महाराज (चेयरमैन - गौ सेवा आयोग, छत्तीसगढ़), महामंडलेश्वर स्वामी सुरेशानंद परमहंस महाराज, भागवत प्रवक्ता वर्षा जी महाराज एवं सी.ओ. संदीप कुमार आदि ने वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य श्रीमद्भागवत महापुराण का पूजन किया।साथ ही उनकी आरती की।

इस अवसर पर भव्य नंदोत्सव आयोजित किया गया।साथ ही भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की दिव्य झांकी सजाई गई इसके अलावा जन्म से संबंधित बधाईयों व भजनों का संगीत की मुदुल स्वर लहरियों के मध्य गायन किया गया।जिसके अंतर्गत रुपए-पैसे, खेल-खिलौने, वस्त्र-आभूषण आदि लुटाए गए।

इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक पंडित आर. एन. द्विवेदी "राजू भैया" (राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष - विश्व हिन्दू महासंघ मठ मन्दिर), मुख्य यजमान श्रीमती साधना गुप्ता - विजय गुप्ता (दिल्ली) वरुण एवं प्रेरणा, अमित अग्रवाल, लोकेश पाराशर आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

## संपादकीय

# अमेरिका-ईरानः- युद्धविराम के बाद युद्ध

अमेरिका और ईरान के बीच हुए उस समझौते (एमओयू), जिसमें युद्धविराम को 60 दिन और बढ़ाने तथा ईरान के परमाणु कार्यक्रम समेत बाकी मुद्दों पर बातचीत शुरू करने का वादा किया गया था, को बिखरने में महज 20 दिन लगे। अमरीका और ईरान के दरमियान कथित युद्धविराम चंद दिन ही टिक सका।ईरान के 80 से ज्यादा ठिकानों पर अमरीका ने ताबड़तोड़ हमले कर उसे दहला दिया। खौफ, अस्थिरता और संभावित हमलों की एक लहर ने खाड़ी देशों में झनझनाहट पैदा कर दी। जो सामान्य होने की उम्मीद कर रहा था, उसे असामान्य हालात में झोंक दिया।पलटवार में ईरान ने भी दावा किया है कि उसने कुवैत, बहरीन, सऊदी अरब, जॉर्डन में करीब 85 ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से हमले किए। बहरीन में अमरीकी नौसेना के 5वें बेड़े पर हमला किया गया।यह संकट रातों-रात पैदा नहीं हुआ। शुरू से ही इस समझौते में तीन मुख्य अड़चनें थीं - लेबनान में इजराइल का युद्ध; ईरान की उसकी रुकी हुई धनराशि तक पहुंच और होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति। तेहरान, दक्षिणी लेबनान से हटने से इजराइल के इनकार और साथ ही अमेरिका, लेबनान और इजराइल को शामिल करते हुए एक समानांतर त्रिपक्षीय ढांचे के लिए वाशिंगटन के जोर को एमओयू की भावना का उल्लंघन मानता है। और, बातचीत के बावजूद, ईरान को अभी तक अपनी रोकी गई धनराशि सुलभ नहीं हुई है। आखिरकार, ईरान इस जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण स्थापित करने के लिए दृढ़ संकल्पित नजर आता है। उसने अपने तट के साथ एक सुरक्षित मार्ग खोला है, जबकि अमेरिका ओमान के तट के साथ एक वैकल्पिक मार्ग का समर्थन कर रहा है।ईरान को डर है कि अमेरिका एक वैकल्पिक रास्ते को बढ़ावा देकर उस बढ़त को खत्म करने की कोशिश कर रहा है जो उसने युद्ध के दौरान इस जलडमरूमध्य पर हासिल की थी। अमेरिका नहीं चाहता कि ईरान किसी रणनीतिक जलमार्ग का एकमात्र संरक्षक बनकर उभरे। इन विरोधाभासी रूखों के चलते झड़पें हो रहीं हैं, जिससे यह एमओयू और कमजोर पड़ता जा रहा है। ट्रम्प, जिन्हें रणनीतिक हार का अंदेशा सता है, तेहरान पर आर्थिक और सैन्य दबाव डालकर इस जलडमरूमध्य पर उसका रुख बदलने की कोशिश कर रहे हैं।नतीजतन, इस मुद्दे को तय करने का प्रश्न फिर से शक्ति-परीक्षण के मैदान में पहुंच गया है। इससे पहले ईरान ने चेतावनी दी थी कि अमेरिका ने फिर हमला किया, तो वह परमाणु अप्रसार संधि से निकल कर अपने परमाणु अस्त्र सिद्धांत को आमूल रूप से बदल देगा। मतलब वह परमाणु बम बनाने की ओर बढ़ेगा। ऐसा हुआ, तो पश्चिम एशिया का सामरिक समीकरण भी बदल जाएगा। ताजा घटनाओं ने दुनिया को इन संभावनाओं के सामने पहुंचा दिया है।सारांश यह है कि ईरान युद्ध का एक और चरण थोपा जा रहा है। यह अहंकार और विनाश का युद्ध है। अमरीका ही नहीं, इजरायल ने भी ईरान पर हमले बोलने की तैयारियां कर ली हैं। वहां के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने नया खुलासा किया है कि ईरान के पास रासायनिक हथियार हैं। ऐसे ही आरोप अमरीका ने इराक के तत्कालीन तानाशाह राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन पर लगाए थे कि इराक में जैविक, रासायनिक अस्त्र हैं, नतीजतन तबाही और मौतें व्यापक हो सकती हैं, लेकिन कुछ भी नहीं निकला और सद्दाम को फांसी पर लटका दिया गया।बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप ने ऐलान कर दिया है कि युद्धविराम समाप्त हो गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि अब वह ईरान के साथ कोई बातचीत नहीं करेंगे। अब ईरान कहर झेलने को तैयार रहे। हम ईरान के तटों को नरक बना देंगे। ट्रंप इतने अनिश्चित, अस्थिर हैं कि उनके बयानों पर भरोसा नहीं किया जा सकता, लेकिन युद्धविराम के बाद युद्ध के उनके आदेश और ऐलान के बाद ही कच्चे तेल की कीमत 6 फीसदी उछल गई। दुनिया के लगभग सभी देशों के शेयर बाजार धड़ाम गिरे हैं। एकदम हाहाकार मचना शुरू हो गया है। यूरोपीय संघ ने परामर्श जारी किया है कि 31 अगस्त तक ईरान-इराक वायु क्षेत्र में उड़ान न भरें। ईरान ने होर्मुज फिर बंद करने का ऐलान किया है, तो अमरीका ने फिर नाकेबंदी का आदेश दिया है। ईरान पर से जो पाबंदियां समझौते के सहमति-पत्र के तुरंत बाद उठा ली गई थीं, 7 जुलाई से फिर उन्हें थोप दिया गया है।अमरीका के वित्त विभाग ने जो छूट दी थी, उसे रद्द कर दिया गया है और लाइसेंस खारिज कर दिए गए हैं। अगर युद्ध फिर से शुरू होता है, तो यह पूरे पश्चिम एशिया क्षेत्र और पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बुरी खबर होगी। शांति प्रक्रिया में एक बड़ी बाधा भरोसे की पूरी तरह कमी है।दोनों पक्षों को भरोसे की खाई को पाटना चाहिए, एमओयू में अट-के मुद्दों को सुलझाना चाहिए।

## डायबिटीज रोगियों के लिए खुशखबरी

# अब रोज-रोज इंसुलिन इंजेक्शन लेने से मिलेगी मुक्ति

**डेनमार्क की दवा कंपनी नोवो नॉर्डिस्क ने भारत में पहली बेसल आइकोडेक लॉन्च की है। दावा है कि इसे हफ्ते में एक बार ही लगाना होगा। यह टाइप-1 व टाइप-2 के वयस्क मरीजों के लिए है। इससे रोज इंसुलिन इंजेक्शन लगाने से मुक्ति मिल सकेगी।**

डायबिटीज दुनियाभर में तेजी से बढ़ती बीमारी है, इसके कम उम्र में ही लोग शिकार होते जा रहे हैं। डायबिटीज पर अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए तो इसका आंख, किडनी, तंत्रिकाओं सहित कई अन्य अंगों पर भी असर हो सकता है। टाइप-1 डायबिटीज वाले या फिर जिन लोगों का शुगर लेवल अक्सर हाई रहता है उन्हें डायबिटीज को कंट्रोल करने के लिए रोजाना इंसुलिन के इंजेक्शन लेने की जरूरत होती है।

आंकड़ों से पता चलता है कि दुनियाभर में 150 मिलियन (15 करोड़) से ज्यादा लोग डायबिटीज को कंट्रोल करने के लिए रोजाना इंसुलिन इंजेक्शन पर निर्भर हैं। हालांकि, ग्लोबल हेल्थ रिपोर्ट से एक गंभीर असमानता का भी पता चलता है।

जिन लोगों को चिकित्सकीय रूप से इंसुलिन की जरूरत होती है, उनमें से केवल आधे लोगों को ही असल में यह दवा मिल पाती है।

गंभीर स्थितियों में लोगों को दिन में दो-तीन बार तक इंसुलिन लेना पड़ सकता है। हालांकि ऐसे लोगों के लिए अब अच्छी खबर है। दवा कंपनी नोवो नॉर्डिस्क ने भारत में दुनिया का पहला लॉन्ग-एक्टिंग साप्ताहिक इंसुलिन इंजेक्शन-

'अविक्ली' लॉन्च किया है। अब रोज-रोज इंजेक्शन लगाने के बजाय सिर्फ सप्ताह में एक बार इंसुलिन लेना होगा। ये दवा पूरे हफ्ते तक आपके शुगर लेवल को कंट्रोल में रखने में मददगार हो सकती है।

भारत को दुनिया का डायबिटीज कैपिटल भी कहा जाता है, क्योंकि यहां करोड़ों लोग इस बीमारी से जूझ रहे हैं। ऐसे में इंसुलिन थेरेपी को आसान और सुविधाजनक बनाने वाली नई तकनीक स्वास्थ्य क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। हालांकि, यह इंजेक्शन हर मरीज के लिए नहीं होगा। डॉक्टर मरीज की स्थिति, ब्लड शुगर के स्तर, अन्य बीमारियों और उपचार की जरूरत को देखते हुए ही तय करेंगे कि यह विकल्प उपयुक्त है या नहीं।

नोवो नॉर्डिस्क ने भारत में पहली बेसल इंसुलिन अविक्ली (इंसुलिन आइकोडेक) लॉन्च की है।

यह टाइप-1 व टाइप-2 दोनो मरीजों के लिए है। इससे रोज इंसुलिन इंजेक्शन लगाने से मुक्ति मिल सकेगी।

कंपनी का दावा है कि अविक्ली ऐसा बेसल (लंबे समय तक असर करने वाला) इंसुलिन है, जिसे क्लिनिकल इस्तेमाल के लिए मंजूरी मिली है।

इससे साल भर में लगने वाले इंजेक्शनों की संख्या 365 से घटकर सिर्फ 52 रह जाएगी।

नोवो नॉर्डिस्क इंडिया के एमडी विक्रांत श्रोत्रिय ने बताया, अविक्ली की 70 इंसुलिन यूनिट वाली साप्ताहिक डोज की कीमत 261 रुपये (2.74 डॉलर) है। यह दो वैरिएंट में है।

पहला एक एमएल (700 यूनिट) वाला पेन जिसकी कीमत 2,611 रुपये है।

दूसरा 3 एमएल (2,100-यूनिट) वाले पेन की कीमत 7,833 रुपये है।

यानी यह 3.73 रुपये/यूनिट पड़ेगी, जो रोजाना बेसल इंसुलिन की तुलना में 30 से 40% तक सस्ती है। अविक्ली को अगले सप्ताह भारतीय बाजार में उतारा जाएगा।

**भारत में लोगों को देर से मिल रही है इंसुलिन थेरेपी**

यहां गौर करने वाली बात ये हैं कि भारत में इंसुलिन थेरेपी शुरू करने में औसतन 7-9 साल की देरी होती है। इंजेक्शन का डर, दर्द और इस पर होने वाले खर्च की चिंता के कारण लोग इंसुलिन नहीं लेते हैं।

विक्रांत श्रोत्रिय ने बताया कि भारत में अभी लगभग 60 लाख लोग इंसुलिन थेरेपी ले रहे हैं और नोवो नॉर्डिस्क को उम्मीद है कि जल्द ही यह संख्या बढ़कर 90 लाख हो जाएगी।

इंटरनेशनल मार्केट एनालिसिस रिसर्च एंड कंसलटेंटिंग ग्रुप (आईएमएआरसी) के अनुसार, भारत का इंसुलिन मार्केट 2025 में $660.5 मिलियन से बढ़कर 2034 तक $916.4 मिलियन तक पहुंचने का अनुमान है।

लोगों की सुस्त होती जीवनशैली, खराब खान-पान और जेनेटिक कारणों से डायबिटीज के मामले बढ़ते जा रहे हैं, जिसके कारण इंसुलिन वाले मरीजों की संख्या में भी बढ़ोतरी आने की आशंका है।

कंपनी ने बताया कि 'अविक्ली' को इस साल की शुरूआत में अमेरिका में मंजूरी मिली थी और इसे यूरोपीय संघ और कई अन्य देशों में भी मंजूरी मिल चुकी है। भारत सातवां देश है जहां यह दवा लॉन्च की गई है।

# राजपाल यादव को 3 महीने की जेल

अभिनेता राजपाल यादव के जीवन में एक बार फिर से मुसीबतों ने दस्तक दे दी है। चेक बाउंस मामले में राजपाल यादव अब फिर से मुश्किलों में फंस गए हैं। राजपाल यादव के इस केस की सुनवाई आज दिल्ली हाईकोर्ट में होनी थी और सुनवाई के बाद कोर्ट ने राजपाल यादव को 3 महीने की सजा सुनाई है। मतलब ये है कि राजपाल दोबारा जेल की हवा खा सकते हैं।

दरअसल चेक बाउंस मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को उन्हें तीन महीने की सजा सुनाई है। यह फैसला जस्टिस स्वर्णा कांता शर्मा की अदालत ने एमएस मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से दायर मामले में सुनाया। अदालत ने इस बार भी वही कहा कि राजपाल पिछले इतने मौके गंवा चुके हैं। कई बार वह अपना वादा पूरा करने और कंपनी का बकाया चुकाने में असमर्थ रहे हैं।बार-बार मौके मिलने के बाद भी राजपाल ने बकाया राशि कर्ज की नहीं चुकाई। हालांकि राजपाल ने कोर्ट को ये आश्वासन जरूर दिया कि वो बकाया राशि चुका देंगे, लेकिन इसके बाद भी वो यह प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए। इसी के बाद कोर्ट ने अलग-अलग मामलों को देखते हुए उन्हें सजा सुनाई है। इस सबके अलावा कोर्ट ने इस केस से जुड़े हर मामले में करीब 1.05 करोड़ का जुर्माना भी लगाया है। इस हिसाब से सातों मामलों में कुल जुर्माना 7.35 करोड़ हो गया है। हालांकि बीते वक्त में कोर्ट की तरफ से काफी कोशिश की गई कि दोनों पक्षों में सहमति बन पाए और समझौता हो जाए। लेकिन जब समझौता नहीं हुआ तो कोर्ट ने इस मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था। हालांकि अब 7 अलग-अलग मामलो में राजपाल को 3 महीने की जेल काटने की सजा सुनाई गई है। इसी साल राजपाल यादव को फरवरी महीने में जेल की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद करीब 10 दिन तक राजपाल सलाखों के पीछे रहे थे। अब इसी मामले में राजपाल को दोबारा सजा सुनाई गई है। आपको बता दें कि राजपाल यादव जेल से आने के बाद तीन फिल्मों में नजर आए हैं, जिनमें भूत बंगला, वेलकम टू द जंगल और है जवानी तो इश्क होना है जैसी फिल्में शामिल हैं।

# 35 सितारों के साथ 110 करोड़ में बनायी फिल्म

## रिलीज से पहले ही हुई सुपरहिट

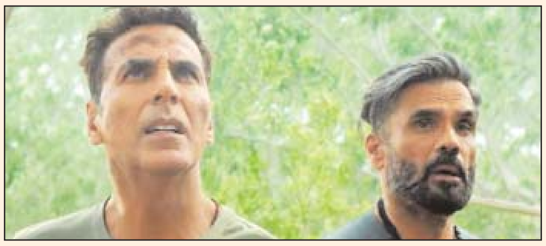

बॉलीवुड की ब्लॉकबस्टर फेंचाइजी 'वेलकम' की तीसरी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' अच्छा परफॉर्म कर रही है। फिल्म अपने भारी-भरकम स्टार कास्ट को लेकर चर्चा में है। फिल्म के लेखक फरहाद सामजी ने एक इंटरव्यू में फिल्म से जुड़े कई मजेदार खुलासे किए। उन्होंने बताया कि फिल्म की स्क्रिप्ट की डिमांड ही ऐसी थी कि इसमें बहुत सारे किरदारों की जरूरत थी। फिल्म में एक्टर्स का एक पूरा ग्रुप एक गांव में पहुंचता है, जिसके लिए करीब 20 से 25 कलाकार चाहिए थे। मजेदार बात यह है कि फिल्म के प्रोड्यूसर फिरोज नाडियाडवाला इतने पर भी शांत नहीं बैठे। उनका मन और बड़ा करने का था और वह हमेशा कहते थे, 'और लोगों को लाओ, हमें स्क्रीन पर हर चीज ग्रैंड चाहिए।' यही वजह है कि फिल्म के हर फ्रेम में आपको एक साथ कई जाने-माने चेहरे नजर आते हैं। फिल्म के सेट पर 35 मशहूर एक्टर्स को एक साथ संभालना और उनसे काम लेना कोई बच्चों का खेल नहीं था। फरहाद सामजी ने माना कि शूटिंग के दौरान सबसे टेढ़ी खीर सभी एक्टर्स की डेट्स को एक-साथ मैच करना था। शुरुआत का पहला शेड्यूल तो आसानी से निपट गया, लेकिन बाद में जब प्लान बदला तो मुश्किलें खड़ी हो गईं। परेश रावल और राजपाल यादव जैसे एक्टर्स उस वक्त एक-साथ पांच-पांच फिल्मों की शूटिंग कर रहे थे। हालांकि, फरहाद सामजी ने साफ कहा कि सेट पर एक्टर्स के बीच लड़ाई-झगड़े जैसी कोई बात नहीं थी, सारा सिरदर्द बस शेड्यूलिंग का था। उन्होंने इस मुश्किल काम को बखूबी संभालने के लिए अपनी टीम के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर अनिकेत की जमकर तारीफ की। फरहाद सामजी ने सिद्धार्थ कनन को दिए इंटरव्यू में बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार की तारीफों के पुल बांधे। उन्होंने बताया कि अक्षय की कुछ फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर न चलने के बावजूद उनके पॉजिटिव एटीट्यूड में कोई कमी नहीं आई। अक्षय कुमार का सीधा फंडा है- बीती बातों को भूलकर जिंदगी में बस आगे बढ़ते रहो। उन्होंने कभी अक्षय को नाकामियों पर बैठकर उदास होते या परेशान होते नहीं देखा। वह हमेशा यही कहते हैं कि हर फिल्म हिट नहीं हो सकती, इसलिए आगे बढ़ो। सामजी ने कहा कि वह खुद अक्षय की इस खूबी से बहुत कुछ सीख रहे हैं। अक्षय हमेशा एक सुपरस्टार ही रहेंगे। उन्होंने बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों में हेर-फेर के सवाल पर कहा कि वह क्रिएटिव साइड देखते हैं, इसलिए बिजनेस की इन स्ट्रेटेजी का सही जवाब प्रोड्यूसर्स ही दे सकते हैं।

# बच्चों की उनके दादा-नाना से दोस्ती करवाइये-जैकी श्रॉफ

फिल्म द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो: एलियंस के एक्टर जैकी श्रॉफ ने अपनी फिल्म से लेकर प्रकृति की सुरक्षा, बच्चों के पालन-पोषण और लोगों से मिल रहे प्यार को लेकर बातें की हैं। उन्होंने कहा- मैंने कभी ऊपरवाले से कुछ मांगा नहीं था, उनको जो सही लगा वो देते गए और मैं लेता गया। बढ़ती गर्मी, कटते पेड़ और बदलते मौसम के बीच जैकी श्रॉफ आज भी उसी बात पर अड़े हैं, जिसे वह बरसों से दोहराते आए हैं, पेड़ लगाओ और धरती बचाओ। उनके लिए पर्यावरण कोई ट्रेंडिंग मुद्दा नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति जिम्मेदारी है। उनका मानना है कि अगर चारों ओर हरियाली होगी तो खुशहाली अपने आप आएगी और बच्चों के लिए इससे बड़ी विरासत कोई नहीं हो सकती। अपनी फिल्म द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो: एलियंस का आगमन के सिलसिले में लखनऊ आए जैकी ने हमसे प्रकृति, बच्चों और जिंदगी को लेकर दिल खोलकर बातें कीं। मेरे पास अगर कोई सुपरपावर आएगी तो मेरी कोशिश होगी कि कोई बच्चा ना रोए, कोई भूखा ना सोए। पूरी धरती को हरियाली से भर दूंगा। ऐसे तो धरती पर बहुत अत्याचार हो रहा है। लोग कहते तो हैं बहुत गर्मी हो रही है लेकिन उससे राहत पाने के लिए आप क्या कर रहे हैं, यह सबसे जरूरी है। बाहर बैंड बजा पड़ा है। अगर चारों ओर हरियाली होगी तो सब जगह खुशहाली होगी। ऐसे में हम सबकी जिम्मेदारी बनती है कि पौधे लगाएं और उनकी देखभाल करते रहें क्योंकि नेचर को हम जो देंगे, वो ही हमें वापस मिलेगा। बच्चों को भी हरियाली फैलाने के लिए प्रेरित करिए। मैं सबको बोलता हूं कि जीवन में खुश रहो और अपने काम व शरीर का ध्यान रखने के साथ-साथ लोगों की इज्जत करते रहो। योग करो और निरोग रहो। ये सारी बातें अपने बच्चों को भी सिखाइए क्योंकि हम उनके लिए क्या छोड़कर जाएंगे यह बहुत महत्वपूर्ण है। बच्चों को संभालना बहुत जरूरी है क्योंकि वह हमारा भविष्य हैं। यहां उल्टा है लोग अपने आप को संभालने में लगे रहते हैं और बच्चों पर कम ध्यान देते हैं। जिस दिन आप उनके बारे में सोचने लगेंगे तो आप भी नेचर से प्यार करने लगेंगे।

# धर्मेंद्र ने हमेशा आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा दी-हेमा मालिनी

हिंदी सिनेमा की सदाबहार एक्ट्रेस हेमा मालिनी ने हाल ही में अपने जीवन की सबसे बड़ी ताकत यानी धर्मेंद्र को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि मुश्किल दौर में भी धर्मेंद्र ने कभी उनका हौसला टूटने नहीं दिया और हमेशा आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा दी। दोनों की जोड़ी ने न सिर्फ पर्दे पर बल्कि असल जिंदगी में भी दर्शकों का दिल जीता। धर्मेंद्र के जाने के बाद भी उनकी सिखाई बातें और यादें आज भी हेमा मालिनी के साथ हैं, जो उन्हें लगातार प्रेरित कर रही हैं। बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी और धर्मेंद्र की जोड़ी सिर्फ रुपहले पर्दे पर ही नहीं, बल्कि असल जिंदगी में भी हमेशा मिसाल बनी रही। इस सदाबहार जोड़ी ने एक साथ कई सुपरहिट फिल्में देकर दशकों तक दर्शकों के दिलों पर राज किया। अब अपने फिल्मी करियर के 60 साल पूरे होने के मौके पर हेमा मालिनी ने एक बार फिर अपने जीवनसाथी को याद करते हुए बताया कि धर्मेंद्र ने हर मुश्किल दौर में उनका मनोबल बढ़ाया और कभी भी उन्हें अपनी क्षमताओं पर शक नहीं करने दिया। हेमा मालिनी ने का कहना है कि धर्मेंद्र उन्हें हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते थे. इंटरव्यू में हेमा मालिनी ने अपने 6 दशक लंबे फिल्मी सफर, बदलती जिंदगी और धर्मेंद्र के साथ मिले अटूट सहयोग पर खुलकर बात की। हेमा मालिनी ने कहा, मेरे जीवन में हमेशा वही हुआ, जो समय के अनुसार होना था। 70 और 80 का दशक मेरे लिए काफी व्यस्त दौर था। मैंने लगातार कई फिल्मों में काम किया। इसके बाद कुछ समय का ब्रेक आया, फिर मैंने बागबान और कुछ अन्य फिल्मों में काम किया। हालांकि, मैं कभी खाली नहीं रही। डांस शो, बैले और कई दूसरी चीजों में लगातार व्यस्त रही। उन्होंने आगे कहा, बाद में जब मैं सांसद बनी, तो मेरी जिंदगी में एक नया मोड़ आया। आज भी मैं लोगों के बीच रहती हूं और खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं कि मुझे जनता की सेवा करने का मौका मिला। पहले मैं फिल्मों, डांस और मंचीय प्रस्तुतियों के जरिए लोगों का मनोरंजन करती थी, अब मथुरा की जनता की सेवा करना मेरे जीवन का अहम हिस्सा है। हेमा मालिनी बताती हैं कि आज भी जब लोग मुझे देखते हैं तो उन्हें सबसे पहले मेरा लोकप्रिय किरदार बसंती याद आता है।

# अपनी बीमारी की वजह तलाशती रहीं-शमिता शेट्टी

शमिता शेट्टी ने हाल ही में एक्ट्रेस सोहा अली खान के पॉडकास्ट ऑल अबाउट हर में अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स का, उनके इलाज का खुलकर जिक्र किया। लगभग आठ महीने तक वह परेशान रहीं, अपनी बीमारी की वजह तलाशती रहीं, क्योंकि उन्हें लंबे वक्त तक अपनी बीमारी के लक्षणों का पता ही नहीं चला। वह डॉक्टर्स के चक्कर काटती रहीं। आखिर में जाकर उन्हें सर्जरी कराने का फैसला लिया। इस पूरे अनुभव का जिक्र शमिता शेट्टी ने सोहा अली खान के पॉडकास्ट पर किया। शमिता पॉडकास्ट में कहती हैं, 'मुझे लगता है कि मेरे मामले में मैंने इसे काफी समय तक अपनी समस्या को नजरअंदाज किया। शुरुआत में मुझे सही डायग्नोसिस नहीं मिला था। जब भी मुझे कुछ लक्षण महसूस होते तो मैं खुद से कहती कि शायद यह नॉर्मल है। जब मैं पहली बार अपनी गायनेकोलॉजिस्ट के पास इन दिक्कतों को लेकर गई, तो उन्होंने सभी रूटीन टेस्ट किए, जैसे पैप स्मीयर और बाकी चीजें, जिससे यह पक्का हो सके कि सब ठीक है।'शमिता आगे कहती हैं, 'जब वे रिपोर्ट्स नॉर्मल आईं, तो किसी ने यह नहीं सोचा कि क्या कोई और समस्या हो सकती है। बात वहीं खत्म हो गई। इसलिए जब भी लक्षण वापस आते तो मैं सोचती कि पिछली बार तो कुछ नहीं निकला था, तो शायद यह नॉर्मल है। शायद यह हर महिला के साथ होता होगा।'शमिता ने कुछ महीने यही सोचकर निकाल दिए कि उनको कोई बड़ी हेल्थ प्रॉब्लम नहीं। वह आगे कहती हैं, 'हम जो दर्द महसूस करते हैं, उसे असल में जाहिर नहीं करते हैं। बहुत सी चीजें, चाहे वह पीरियड का दर्द हो या हार्मोन से जुड़ी कोई बात, औरतों के लिए नॉर्मल मान ली जाती हैं। हमसे बस यही उम्मीद की जाती है कि हम उनके साथ ही जिएं। मेरे मामले में, सर्जरी से लगभग छह से आठ महीने पहले दर्द की तीव्रता सच में बहुत बढ़ गई थी।' शमिता आगे कहती हैं, 'मैं भी बहुत कन्फ्यूज्ड थी क्योंकि यह सब उसी समय हुआ जब मैं पेरिमेनोपॉज के बारे में जान रही थी। मेरे हार्मोन्स में पहले से ही बहुत बदलाव हो रहे थे, इसलिए मैं समझ नहीं पा रही थी कि जो मैं महसूस कर रही हूं, वह पेरिमेनोपॉज का ही हिस्सा है या कुछ और गड़बड़ है।' बाद में शमिता को एंडोमेट्रियोसिस प्रॉब्लम का पता चला और उनको सर्जरी करवानी पड़ी।

# लॉर्ड्स के पहले टेस्ट में शतक से चूकीं स्मृति मांधना

### भारत ने इंग्लैंड पर कसा शिकंजा

**नई दिल्ली।** भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स के मैदान पर महिलाओं के पहले टेस्ट मैच का आगाज शानदार रहा। यह टेस्ट मैच इसलिए ऐतिहासिक है क्योंकि पहली बार महिला क्रिकेटर्स लॉर्ड्स के मैदान पर सफेद जर्सी में टेस्ट मैच खेल रही हैं। इस ऐतिहासिक मैच के पहले दिन ऑनर बोर्ड पर शतक जड़कर अपना नाम सबसे पहले लिखवाने से स्मृति मांधना चूक गईं और वह 83 रन बनाकर आउट हो गईं। मांधना के अलावा हरमनप्रीत कौर ने 58 रन बनाए, तो महिला टीम इंडिया ने पहले दिन पहली पारी में 285 रन का स्कोर बनाया। इसके जवाब में इंग्लैंड के लिए अपने करियर का आखिरी टेस्ट खेलने वाली टैमी ब्यूमोंट पहली पारी में सिर्फ दो रन बनाकर आउट हो गईं। लॉर्ड्स के मैदान पर पहली बार सलामी बल्लेबाजी करने स्मृति मांधना और शेफाली वर्मा उतरीं। स्मृति ने जहां मोर्चा संभाला, वहीं शेफाली चार गेंद में बिना खाता खोले आउट हो गईं। इस तरह लॉर्ड्स के मैदान पर महिला टेस्ट क्रिकेट में शून्य पर आउट होने वाली शेफाली पहली महिला बल्लेबाज बनीं। इसके बाद यास्तिका भाटिया भी 12 रन ही बना सकीं, जबकि जेमिमा ने 35 रन बनाए। 101 रन तक टीम इंडिया के तीन विकेट गिर गए थे। इसके बाद हरमनप्रीत और स्मृति ने 89 रन की साझेदारी निभाई। तभी शतक के करीब पहुंच रहीं स्मृति 108 गेंद में 11 चौके और एक छक्के की मदद से 83 रन बनाकर आउट हो गईं। जबकि हरमनप्रीत ने 121 गेंद में सात चौकों की मदद से 58 रन बनाए। दीप्ति शर्मा ने भी 57 रन की पारी खेली। इससे महिला टीम इंडिया 74.5 ओवर तक ही बल्लेबाजी कर सकी और पहली पारी में 285 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए सबसे अधिक तीन विकेट सोफी एक्लेस्टोन ने झटके।

## टी-२० टीम की लगातार नाकामी पर बोर्ड सख्त, दौरे के बाद होगी समीक्षा

**मुंबई।** लगातार दो टी-20 श्रृंखलाओं में हार के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने पुरुष टी-20 टीम के प्रदर्शन की विस्तृत समीक्षा का फैसला किया है। इंग्लैंड दौरा समाप्त होने के बाद होने वाली बैठक में टीम की कमजोरियों, चयन रणनीति और प्रदर्शन में गिरावट के कारणों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। टी-20 विश्व कप विजेता भारतीय टीम को पहले आयरलैंड के खिलाफ श्रृंखला में हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद इंग्लैंड ने भी घरेलू मैदान पर भारत को शिकस्त देकर श्रृंखला अपने नाम कर ली। लगातार मिली इन हारों ने टीम के प्रदर्शन पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। बोर्ड सूत्रों के अनुसार, इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला समाप्त होने के बाद समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें हाल के मुकाबलों में सामने आई कमियों का विश्लेषण कर सुधार की रणनीति तैयार की जाएगी। टीम प्रबंधन और चयन से जुड़े पहलुओं पर भी चर्चा होने की संभावना है।

# स्पेन ने बेल्जियम को हराया

### 16 साल बाद विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंचा

मेरिनो के निर्णायक गोल से २-1 की जीत, बेल्जियम का सपना टूटा

गेंद पर दबदबा कायम रखते हुए स्पेन ने पूरे मैच में बनाया दबाव

**लॉस एंजिलिस।** स्पेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फीफा विश्व कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। इसके साथ ही स्पेन ने 2010 के बाद पहली बार विश्व कप के अंतिम चार में जगह बनाई। पूरे मुकाबले में स्पेन ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और लगातार आक्रामक खेल दिखाकर बेल्जियम को दबाव में रखा।

मैच की शुरूआत से ही स्पेन ने आक्रमण का रुख अपनाया। पहले हाफ में लगातार हमलों का फायदा उसे 30वें मिनट में मिला। डैनी ओल्मो के शॉट को बेल्जियम के गोलकीपर ने रोक लिया, लेकिन रिबाउंड पर फैबियन रुइज ने गेंद को जाल में पहुंचाकर स्पेन को बढ़त दिला दी। हालांकि बेल्जियम ने जल्द ही वापसी की और चार्ल्स डी केटेलेयर ने शानदार हेडर के जरिए बराबरी का गोल दाग दिया। इसके बाद पहला हाफ 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। यह इस विश्व कप में स्पेन के खिलाफ हुआ पहला गोल भी रहा। इसके बाद बेल्जियम वापसी नहीं कर सका और अंतिम सीटी के साथ स्पेन ने सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया। पूरे मुकाबले में स्पेन ने 664 पास और 17 शॉट लगाकर अपने दबदबे का परिचय दिया। अब सेमीफाइनल में उसका सामना फ्रांस से होगा।

### कर्टोइस की चोट बनी बड़ा झटका

दूसरे हाफ में स्पेन ने फिर दबाव बढ़ाया और बेल्जियम को रक्षात्मक खेल खेलने पर मजबूर कर दिया। 64वें मिनट में बेल्जियम को बड़ा झटका तब लगा जब उसके अनुभवी गोलकीपर थिबॉट कर्टोइस मांसपेशियों में खिंचाव के कारण मैदान छोड़ने पर मजबूर हो गए। इसके बाद स्पेन ने हमलों की गति और तेज कर दी।

### मेरिनो ने बदली मैच की तस्वीर

जब मुकाबला बराबरी पर था और अतिरिक्त समय की संभावना बन रही थी, तभी स्पेन के कोच ने मिकेल मेरिनो को मैदान में उतारा। मैदान पर आने के दो मिनट के भीतर ही मेरिनो ने मैच का निर्णायक गोल दाग दिया। 88वें मिनट में एक और रिबाउंड अवसर का लाभ उठाते हुए उन्होंने गेंद को गोल में पहुंचाकर स्पेन को 2-1 की बढ़त दिला दी।

## शनिवार, 11 जुलाई राशिफल

मेष: आज आत्मविश्वास और ऊर्जा बनी रहेगी। करियर में पुराने कार्यों को आगे बढ़ाने से लाभ मिलेगा। परिवार के लोगों का सहयोग आपके मनोबल को बढ़ाएगा। खर्चों पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। किसी भी बड़े फैसले में जल्दबाजी न करें।

वृष: आज आर्थिक मामलों में प्रगति के संकेत हैं। परिवार के साथ महत्वपूर्ण चर्चा हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आपके प्रयासों की सराहना होगी। सेहत और खान-पान का विशेष ध्यान रखें। किसी पुराने निवेश से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। धैर्य और समझदारी से काम लें।

मिथुन: आज बातचीत और संपर्क के जरिए लाभ मिलने की संभावना है। भाई-बहनों का सहयोग प्राप्त होगा। छोटी यात्रा का योग बन सकता है। करियर में पुराने कामों को नया रूप देने का अवसर मिलेगा। किसी करीबी मित्र से महत्वपूर्ण सलाह मिल सकती है।

कर्क: घर-परिवार में सुखद वातावरण बना रहेगा। माता-पिता का सहयोग और आशीर्वाद मिलेगा। संपत्ति या वाहन से जुड़ा रुका हुआ काम आगे बढ़ सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा। मानसिक शांति और संतोष महसूस होगा।

सिंह: रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलने के योग हैं। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। बच्चों के साथ समय बिताने से खुशी मिलेगी। करियर में आगे बढ़ने का अच्छा अवसर मिल सकता है। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। आत्मविश्वास आपके लिए सफलता का मार्ग खोलेगा।

कन्या: स्वास्थ्य और दिनचर्या पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र में पुराने कार्यों को पूरा करने का दबाव रह सकता है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखें। परिवार का सहयोग मिलेगा। किसी पुराने उधार या लेन-देन को निपटाने का अवसर मिल सकता है।

तुला: जीवनसाथी और साझेदारी के मामलों में दिन अनुकूल रहेगा। रिश्तों में विश्वास और समझ बढ़ेगी। व्यापार से जुड़े लोगों को लाभ मिल सकता है। परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलेगा। किसी पुराने विवाद का समाधान निकल सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें।

वृश्चिक: आज छिपे हुए मामलों या पुराने दस्तावेजों से जुड़े कार्य पूरे हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में अनुभव का लाभ मिलेगा। जीवनसाथी के साथ संबंध और मजबूत होंगे। कोई महत्वपूर्ण जानकारी आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। जल्दबाजी से बचें।

धनु: भाग्य का साथ मिलने से कई रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। किसी वरिष्ठ या गुरु का मार्गदर्शन लाभदायक रहेगा। यात्रा की योजना बन सकती है। करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर मिलेंगे। सकारात्मक सोच आपको सफलता दिलाएगी। परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा।

मकर: करियर और सामाजिक प्रतिष्ठा के लिए दिन शुभ है। अधिकारियों से सहयोग मिलेगा। रुके हुए कार्यों में गति आएगी। आर्थिक मामलों में लाभ के संकेत हैं। परिवार और जीवनसाथी का साथ मिलेगा। नई योजनाओं पर काम शुरू करने के लिए समय अनुकूल है।

कुंभ: मित्रों और संपर्कों के माध्यम से लाभ मिलने की संभावना है। कोई पुरानी इच्छा पूरी हो सकती है। करियर में नए अवसर सामने आएंगे। भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा। निवेश से पहले पूरी जानकारी जरूर लें। उत्साह के साथ-साथ धैर्य बनाए रखना भी जरूरी होगा।

मीन: आज आर्थिक मामलों में सतर्कता बरतने की जरूरत है। खर्चों पर नियंत्रण रखें और अनावश्यक खर्च से बचें। परिवार का सहयोग आपको राहत देगा। किसी पुरानी समस्या का समाधान निकल सकता है। रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

डॉ. शिल्पा जैन
(एस्ट्रोलॉजर)
मो. 942560752

# 32 साल बाद मिले सेंट जॉन्स कॉलेज के साथी

## यादों और उल्लास से सराबोर रहा एलुमनाई मिलन

- बैच-1994 के पूर्व विद्यार्थियों ने साझा किए संस्मरण
- गीत-संगीत और केक कटिंग के साथ मनाया पुनर्मिलन उत्सव

एनएनआई

**आगरा।** सेंट जॉन्स इंटर कॉलेज, आगरा के वर्ष 1994 बैच का एलुमनाई मिलन समारोह संजय प्लेस स्थित अर्बन डेक में हर्षोल्लास और आत्मीयता के साथ आयोजित किया गया। लगभग 32 वर्षों बाद एक मंच पर जुटे पूर्व छात्र-छात्राओं ने अपने स्कूली दिनों की यादों को ताजा करते हुए मित्रता के अटूट बंधन को और मजबूत बनाया। समारोह में उपस्थित सभी साथियों ने विद्यालय जीवन के खट्टे-मीठे अनुभवों और यादगार पलों को साझा किया। इस दौरान उन्होंने अपने व्यावसायिक जीवन, पारिवारिक उपलब्धियों तथा सामाजिक अनुभवों पर भी चर्चा की। लंबे समय बाद मिले मित्रों के बीच पुरानी यादों का सिलसिला देर तक चलता रहा और पूरा वातावरण भावनाओं एवं अपनत्व से भर उठा।

इसके बाद सभी ने एलुमनाई मिलन समारोह का केक काटकर एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने आयोजन को और भी जीवंत बना दिया। गीत, संगीत, नृत्य और शेर-ओ-शायरी के दौर ने सभी का भरपूर मनोरंजन किया। कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व विद्यार्थियों ने अपने छात्र जीवन के दिनों को याद करते हुए कई रोचक प्रसंग भी साझा किए। समारोह में सीए निर्भय मित्तल, अजय अग्रवाल, राज कुमार वर्मा, सीए प्रवीण गोयल, उमेश टिन्ना, सुनील, संजय अरोड़ा, सचिन गर्ग, विशाल बंसल, मनीष गोयल आदि उपस्थित रहे।

# दिव्य श्रृंगार के दर्शन को उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

## एकादशी पर कमल के पुष्पों से सजे श्याम बाबा

**आगरा (एनएनआई)।** योगिनी एकादशी के पावन अवसर पर जीवनी मंडी स्थित श्री खाटू श्याम जी मंदिर में भगवान श्याम बाबा का कमल के पुष्पों से भव्य एवं मनोहारी विशेष श्रृंगार किया गया। स्वर्ण मुकुट और स्वर्ण कुंडल धारण कर विराजमान श्याम बाबा के दिव्य स्वरूप ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

प्रातःकाल से ही मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा और देर रात तक भक्तों ने बाबा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री खाटू श्याम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष दिनेश चंद्र अग्रवाल ने योगिनी एकादशी के धार्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सनातन धर्म में इस एकादशी का विशेष महत्व है। श्रद्धापूर्वक व्रत, पूजन और भगवान के स्मरण से व्यक्ति के पापों का क्षय होता है तथा जीवन में सुख, शांति और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है। मंदिर में दिवस विशेष पर श्रृंगार सेवा, इत्र सेवा एवं संध्या भोग सेवा का आयोजन श्रद्धाभाव के साथ किया गया। श्री खाटू श्याम जी मंदिर ट्रस्ट द्वारा विशेष पोशाक सेवा संपन्न हुई, जबकि श्री श्याम नगरी मासिक पोशाक सेवा की ओर से मासिक पोशाक सेवा एवं राजभोग सेवा नीरज बंसल द्वारा अर्पित की गईं। इस अवसर पर हेमेंद्र अग्रवाल, संजय अग्रवाल, अमित गोयल, विकास, विपिन बंसल आदि उपस्थित रहे।

# विनायक को सबसे प्रिय है काशीवास : डॉ दीपिका

एनएनआई

**आगरा।** भगवान विनायक को भोलेनाथ की नगरी काशी सर्वाधिक प्रिय है। यही कारण है कि जब भी काशिराज के साथ काशी में आए तो विविध रूपों में स्थित होते गए। ऐसा लगता है मानो काशी में स्थित होने के लिए ही भगवान गणपति ने विविध लीलायें की हैं। काशी में स्थित अपने

प्रत्येक रूप में भगवान गणेश साक्षात विराजते हैं।' काशी में स्थित भगवान गणेश के विविध विग्रहों का महत्व बताते हुए कथावाचक डॉ दीपिका उपाध्याय ने उक्त उद्गार व्यक्त किये। गुरुदीपिका योगक्षेम फाउंडेशन के तत्वावधान में चल रही श्रीगणेश पुराण प्रवचन श्रृंखला का आज चौथा दिन था। श्रीगोपालजी धाम, दयालबाग में चल रही इस कथा में आज प्रकृति संरक्षण का सुंदर संदेश दिया गया। कथावाचक ने कहा दूर्वार्चन से प्रसन्न होने वाले गणपति स्वयं साक्षात रूप में मंदार पौधे में स्थित रहते हैं। यही नहीं वह शमी वृक्ष की पत्तियों से अर्चन करने से भी उसी प्रकार प्रसन्न होते हैं जैसे दूर्वा से।' इस अवसर पर देवेन्द्र गोयल, कैप्टन बिशन सिंह, आर. के. मेहता, वीरकिशोर गुप्ता, बी. के.गौतम, अनुज गुप्ता, वीना कालरा, सरिता गौतम, सारिका कालरा आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।